केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 19 बुधवार 7 अगस्त 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

स्वतंत्रता दिवस को उल्लास से मनाने की तैयारी

—भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती । शासन के निर्देशानुसार 14 व 15 अगस्त को रात में समस्त शासकीय भवनों को प्रकाशमान किया जायेंगा। उक्त जानकारी देते हुए जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने बताया कि जनपद में राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस धूमधाम व सादगीपूर्ण ढंग से मनाया जायेंगा। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित स्वतंत्रता दिवस की तैयारी बैठक को सम्बोधित करते हुए उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आगामी स्वतंत्रता दिवस सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जाय तथा प्रत्येक नागरिक की राष्ट्रीय भावना, अभिव्यक्ति व आत्मसम्मान का ध्यान रखा जाय।

उन्होने बताया कि अधिकारियों को सौंपे गये उत्तरदायित्व में यह आभाश हो कि कार्यक्रम में उल्लासपूर्वक प्रतिभाग किया जा रहा है ना कि अतिरिक्त रूप से जिम्मेदारी थोप दी गयी है। अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान ने बताया कि प्रातः 08 बजे समस्त सरकारी व गैर संस्थानों पर ध्वजारोहण किया जायेंगा तथा महापुरूषों की मूर्तियों पर माल्यापर्ण भी किया जायेंगा। आयोजन स्थलध मूर्ति स्थल पर साफ–सफाई विशेष रूप से कराये जाने के लिए ईओ नगरपालिका, नगरपंचायत तथा ग्रामपंचायतों हेतु डीपीआरओ को निर्देशित किया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सभी सरकारी, गैर सरकारी विद्यालयों में झण्डा गीत गाया जायेंगा। नागरिक संगठन, उद्योग, नागरिक सुरक्षा के स्वयं सेवको द्वारा प्रभात फेरी तथा तिरंगा यात्रा निकाली जायेंगी। 75–75 पीएसी, होमगार्ड कार्मिको का तिरंगा ध्वज के साथ मार्चपास्ट निकाला जायेंगा, दिन में 'लोगन लेखन आजादी के नायको पर आधारित एकल अभिनय तथा शहीद स्मारको पर स्वच्छता अभियान चलाया जायेंगा।

संदिग्ध परिस्थिति में युवक की मौत

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बनकटी (बस्ती)। मुंडेरवा थाना क्षेत्र के डड़वा गांव में संदिग्ध परिस्थिति में किशोर की मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार बलदेव उम्र 12 वर्ष पुत्र शम्भू की सोमवार की रात अज्ञात कारण से तबियत बिगड़ गई परिवार वाले आनन फानन में इलाज के लिए बस्ती लेकर जा ही रहे थे कि रास्ते में ही बलदेव की मौत हो गई।

बलदेव दो भाई और दो बहनों में सबसे छोटा था। मृतक के पिता मुंबई में रहकर मेहनत मजदूरी करते हैं मौत की खबर सुनते ही घर के लिए चल पड़े।परिवार वालों का रो–रो कर बुरा हाल है।

महिला ने लगाया धर्म परिवर्तन के दबाव का आरोप

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। वाल्टरगंज थानाक्षेत्र में रह रही एक महिला ने शादी का झांसा देकर शारीरिक उत्पीड़न व धर्म परिवर्तन का दबाव डालने की शिकायत की है। उच्चाधिकारियों को संबोधित पत्र में महिला ने आरोप लगाया है कि करीब तीन वर्ष पहले शादी का झांसा देकर एक व्यक्ति ने नजदीकी बढ़ाई। महिला ने एक पुत्री को भी जन्म दिया। जब शादी का दबाव बनाया तो मना कर दिया। बताया कि वह पहले से शादीशुदा है। इस तरह करीब तीन साल तक शारीरिक शोषण किया। बाद में अपने परिजनों के साथ मिलकर मारापीटा। आरोप है कि आरोपी युवक ने साथ रहने के लिए धर्मपरिवर्तन करने का दबाव भी डाला। थाने पर शिकायत करने पर प्रकरण में बातचीत के आधार पर सुलह करा दिया गया। महिला ने थाने पर तहरीर दी है। पुलिस प्रकरण की जांच कर रही है।

आईजीआरएस की समीक्षा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस प्रकरण की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि प्रतिदिन पोर्टल को देखा जाय। इसके साथ ही पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्णध्समयबद्धता के साथ निस्तारण किया जाय। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नही होगी। उन्होने यह भी कहा कि राजस्व प्रकरण में आवश्यकतानुसार फोटो के साथ आख्या अपलोड किया जाय।

बांग्लादेश की संसद भंग, पूर्व पीएम खालिदा जिया रिहा

ढाका (आभा)। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने संसद भंग कर दी है। देश की पूर्व पीएम खालिदा जिया को भी रिहा कर दिया गया है। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने मंगलवार दोपहर 3 बजे तक संसद भंग करने का अल्टीमेटम दिया था।

बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ 2 महीने से जारी प्रदर्शन में सोमवार को जमकर हिंसा हुई थी। इसके बाद वे पद से इस्तीफा देकर भारत पहुंची थीं। हिंडन एयरबेस पर एनएसए अजित डोभाल ने उनसे करीब एक घंटे बातचीत की थी।

इधर, भारत में मंगलवार को सर्वदलीय बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, 'शेख हसीना सदमे में हैं। सरकार बात करने से पहले उन्हें कुछ समय दे रही है। वे भविष्य को लेकर खुद फैसला लेंगी।' कयास हैं कि वे लंदन या फिनलैंड जा सकती हैं।

सोमवार को प्रदर्शन में कम से कम 135 लोग मारे गए। मरने वालों की संख्या अब तक 300 के पार पहुंच चुकी है।

राष्ट्रपति ने जेल में बंद पूर्व पीएम और विपक्षी नेता खालिदा जिया को रिहा करने का आदेश दिया। उन्हें 2018 में भ्रष्टाचार से जुडे मामले में 17 साल की सजा सुनाई गई थी। राजधानी ढाका में सोमवार को 4 लाख लोग सड़कों पर उतर आए, जगह–जगह तोड़फोड़ की।

पुलिस–प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प में सोमवार को 6 लोग मारे गए। प्रदर्शनकारियों ने 2 हाईवे पर कब्जा किया। अब तक 300 लोगों की जान गई है। इनमें ज्यादातर छात्र हैं।

गोकशी की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

—भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। वाल्टरगंज थानाक्षेत्र के परसा कुसुम गांव में गोकशी की सूचना से हड़कंप मच गया। सूचना पाकर थानाध्यक्ष वाल्टरगंज टीम के साथ गांव में पहुंच गए। थानेदार ने बताया कि एक पशु का अवशेष मिलने पर ग्रामीणों ने गोकशी की आशंका जताई है। पशु चिकित्सक की टीम को मौके पर बुलाया जा रहा है। सैम्पल लेकर जांच कराई जाएगी, मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। बताया जा रहा है कि मंगलवार की सुबह परसा कुसुम गांव में मंगलवार की सुबह उस वक्त लोग आवाक रह गए,जब गांव में एक पशु का अवशेष फेंका मिला। मौके पर जुटे ग्रामीणों ने गोकशी की आशंका जताते हुए इसकी सूचना वाल्टरगंज थाने पर दी। थोड़ी देर में थानेदार दिनेशचंद्र चौधरी के साथ फोर्स गांव में पहुंच गई। लोगों को थानेदार ने भरोसा दिलाया कि अवशेष की पशु चिकित्सक ने जांच कराई जा रही है। रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

बैनामे का 16 लाख लेने के बाद पेशाब करने के बहाने फरार हुआ काश्तकार.!

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती– भूमि बैनामे के नाम पर 16 लाख रुपया लेकर फरार हुए काश्तकार से पैसा वापस पाने के लिए जनपद के जखनी निवासी एक पीड़ित व्यक्ति को दर दर की ठोकरें खाना पड़ रहा है लेकिन काश्तकार द्वारा न तो जमीन का रजिस्ट्री किया जा रहा है और न ही पैसा वापस किया जा रहा है।

जनपद के थाना कोतवाली के जखनी निवासी अशोक कुमार चौधरी ने पुलिस अधीक्षक बस्ती को प्रार्थनापत्र देकर बताया कि ग्राम मसजिदिया में भूमि बैनामे के लिए मुंडेरवा थाना क्षेत्र के कुरियार के रहने वाले जमीन के मालिक मिथलेश कुमार उर्फ पप्पू पुत्र विजय पाल के खाते में 15 लाख 70 हजार रुपये का भुगतान किया उसके बाद भूमि मालिक जमीन का बैनामा करने के लिए 13 मई 2024 को पीड़ित खरीददार को बस्ती कचहरी बुलाया और वहां जमीन बैनामे की प्रक्रिया को पूरा कराया जिसमें पीड़ित ने भूमि की रजिस्ट्री के लिए 78 हजार 6 सौ रुपये का स्टाम्प भी खरीदा जिसपर दोनों पक्षकारों ने हस्ताक्षर भी किया लेकिन दस्तावेज पेशी के समय जमीन के मालिक मिथलेश कुमार पेशाब करने का बहाना बनाकर वहां से गायब हो गया और मोबाइल फोन स्विच ऑफ कर लिया । पीड़ित ने बताया कि शाम को वह उनके घर गए तब पता चला कि वह चार दिन बाद जमीन का रजिस्ट्री करेगा लेकिन हर बार चार दिन ,पांच दिन कहकर वह समय बढ़ाता जा रहा लेकिन जमीन का रजिस्ट्री नही कर रहा है और वह पैसा देने को भी राजी नही है।

पीड़ित ने बताया कि वह लगभग 3 माह से परेशान है और मिथलेश कुमार से पैसा वापस लेने के लिए या रजिस्ट्री करने के लिए अनुरोध कर रहे हैं लेकिन उसकी मंशा साफ नही है वह बात करने पर बहाने बनाता है न तो पैसा दे रहा है न ही रजिस्ट्री कर रहा है । पीड़ित ने कहा कि पुलिस से मदद की गुहार लगा रहे हैं लेकिन त्योहारों में व्यस्तता का हवाला देकर पुलिस से अभी कोई मदद नही मिल पाया है ,पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक बस्ती से न्याय की मांग की है।

बिना कार्य कराये भुगतान के आरोपों की त्रिस्तरीय टीम ने किया जांच

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

छावनी (बस्ती)। विक्रमजोत ब्लॉक के ग्राम पंचायत अमोढ़ा खास में पिछले एक पखवाड़े पहले गांव के दिवाकर सिंह अमोढ़ा में बिना कार्य कराये ही विकास कार्यो के धन की निकासी की कई शिकायते बीडीओ विक्रमजोत को किया था जिसपर विक्रमजोत ब्लॉक की त्रिस्तरीय टीम जांच के लिये गांव में पहुची । जांच टीम में एडीओ विक्रमजोत रमेश चन्द्र यादव,अवर अभियंत्रा आर ई डी अंसार हुसैन तथा सहायक विकास अधिकारी आई एस बी नरेश कुमार शुक्ल मौके पर पहुँचे । गांव में शिकायतकर्ता दिवाकर सिंह सहित ग्रामीणो से हुये शिकायत के बारे में बयान किया तथा अलग अलग आधा दर्जनो से ज्यादे चकरोड सहित अन्य निरीक्षण किया जिसमे चकरोड़ो पर बिना कार्य भुगतान की ज्यादा चर्चा है । शिकायत कर्ता दिवाकर सिंह की माने तो एक दर्जन चकरोड़ व तालाब पर फर्जी मस्टररोल बनाकर मनरेगा से फर्जी भुगतान कराया गया है जांच टीम के एडीओ विक्रमजोत रमेशचन्द्र यादव ने बताया जांच टीम निरीक्षण करने आयी है जिसकी रिपोर्ट विभाग को करेंगे ।

इस सम्बंध में बीडीओ विक्रमजोत सुनील कौशल ने बताया की एक तालाब को श्रमदान कर दिया गया कई चकरोडो की जांच रिपोर्ट के अनुसार रिकवरी सुनिश्चित होगा ।

किट के माध्यम से रोचक ढंग से गणित सीखेंगे छात्र– संजय शुक्ल

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे तीन दिवसीय गणित किट प्रशिक्षण के दूसरे दिन मंगलवार को शिक्षकों को बेहतर ढंग से गणित किट उपयोग की जानकारी दी गई। डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी लेकर शिक्षक अपनी कक्षाओं में बेहतर ढंग से गणित किट का उपयोग करें। बच्चे आसानी से गणित विषय सीख सके इसी के उद्देश्य से गणित किट बनाई गई है और विद्यालयों में इसे लागू किया गया है। कहा कि किट के माध्यम से बच्चे गणित विषय को रोचक ढंग से सीख सकेंगे। संदर्भदाता हरेन्द्र यादव, बालमुकुंद और अनूप सिंह ने प्रशिक्षण के दूसरे दिन संख्या पद्धति एवं स्थानीय मान, दैनिक जीवन में अनुप्रयोग, गणित कहानी का निर्माण, संख्याओं पर आधारित संक्रियाएं, नवीन अवधारणाएं, लघुत्तम समापवर्तक एवं महत्तम समापवर्तक, दशमलव एवं भिन्न आदि पर विस्तृत जानकारी दिया। प्रशिक्षण के नोडल प्रवक्ता अलीउद्दीन खान ने बताया कि प्रथम बैच के प्रशिक्षण बुधवार को समाप्त हो जाएंगे उसके उपरांत बृहस्पतिवार से शेष विकासखण्डों के प्रशिक्षण द्वितीय बैच में कराए जाएंगे।

इस अवसर पर डॉ गोविन्द प्रसाद, शशिदर्शन त्रिपाठी, सरिता चौधरी, वर्षा पटेल, वन्दना चौधरी, रविनाथ त्रिपाठी, इमरान खान, कल्याण पाण्डेय, कुलदीप चौधरी, अमनसेन, विवेक कान्त पाण्डेय, कुलदीप सिंह, रत्नेश कुमार गुप्ता, पीयूष मिश्र, लवकुश त्रिपाठी, गोपाल दूबे, सचिन पाण्डेय, मधुसूदन तिवारी, अरुण दूबे, शिव कुमार त्रिपाठी, धनंजय दूबे, रजनीश शर्मा, विवेक कुमार, मेराज अहमद, विजय चौधरी, निशांत मिश्र, मो. सलाम, संजय, लाल महेश मौर्या, शशिकांत, अंशू शुक्ला, ममता गुप्ता, अज्ञाराम वर्मा, मधु वर्मा, राजेश कुमार यादव आदि उपस्थित रहे।

10 हजार रूपये की रिश्वत लेते चकबंदी कानूनगो राकेश कुमार सिंह रंगे हाथ गिरफ्तार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। मंगलवार को भ्रष्टाचार निवारण संगठन बस्ती मंडल की टीम ने चकबंदी विभाग के कानूनगो को जमीन की पैमाइश के बदले दस हजार रुपये घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। धरपकड़ के बाद टीम आरोपी कानूनगो राकेश कुमार सिंह को सीधे कोतवाली ले गई। ट्रैप टीम प्रभारी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि भ्रष्ट लोकसेवक राकेश कुमार सिंह के खिलाफ कोतवाली में केस दर्ज कराया गया है। लिखा–पढ़ी की कार्रवाई पूरी करने के साथ ही बुधवार को आरोपी कानूनगो को भ्रष्टाचार निवारण संगठन की कोर्ट नंबर–पांच में पेश किया जाएगा। आरोपी कानूनगो राकेश कुमार सिंह सिद्धार्थनगर जिले के कठेला समय माता थानाक्षेत्र के अगहवा ग्रांट पोस्ट षड़सरी बाजार का रहने वाला है। कलवारी थानाक्षेत्र के बैजलपुल निवासी रामजियावन ने गत तीन अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण संगठन बस्ती मंडल कार्यालय पर शिकायत दर्ज कराई थी। टीम के अनुसार सोमवार को चकबंदी कार्यालय के पास स्थित चाय की दुकान पर जब रामजियावन कानूनगो राकेश कुमार सिंह को दस हजार रुपये रिश्वत दे रहा था, तभी टीम ने रंगेहाथ कानूनगो को गिरफ्तार कर लिया और कोतवाली ले गई। उसके खिलाफ ट्रैप टीम प्रभारी अनिल कुमार सिंह की तहरीर पर 7/13 (बी), 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 यथा संशोधित अधिनियम 2018 में प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार करने वाली टीम में निरीक्षक विनोद कुमार यादव, निरीक्षक भीमशंकर मिश्र, निरीक्षक महेश कुमार दुबे, उप निरीक्षक नीरज कुमार सिंह, मुख्य आरक्षी राघवेन्द्र, आरक्षी शैलेश कुमार यादव, प्रियेश कुमार, गोविन्द कुमार शर्मा व अभिषेक सिंह शामिल रहे।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार शिकायतकर्ता ने बताया कि कार्यालय बन्दोस्त चंकबदी बस्ती के चकबंदी कानूनगो राकेश कुमार सिंह ने एक जमीन की पैमाइश के लिए 30 हजार रुपये रिश्वत मांगी थी। एक साथ रुपये नहीं दे पाने में असमर्थता जताने पर बोले कि तीन किस्त में रुपये दे दो, जब तीसरी किस्त मिलेगी, तब पैमाइश होगी। शिकायत के आधार पर एंटी करप्शन टीम सक्रिय हो गई। इसके बाद पांच अगस्त को शिकायतकर्ता फिर कार्यालय पहुंचा। तय हुआ कि छह अगस्त को रिश्वत की रकम देने जाएगा। इसी दौरान कानूनगो की दबोचने की योजना बनाई गई।

सीएम दरबार से निकली महिला ने खुद को आग लगाया

लखनऊ (आभा) । गौतमपल्ली में मंगलवार सुबह जनेश्व मिश्र ट्रस्ट के गेट के पास एक महिला ने खुद पर ज्वलनशील पदार्थ छिड़क कर आग लगा ली। महिला को जलता देख वहां हड़कंप मच गया। आननफानन पुलिस कर्मी महिला को लेकर सिविल अस्पताल पहुंचे जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। महिला को ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। वहीं, फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन की।

उन्नाव के पुरवा में छत्ताखेड़ा गांव निवासी महिला अंजली जाटव मंगलवार को बच्चे के साथ सीएम दरबार पहुंची थीं। वहां से निकलने के बाद वह जनेश्वर मिश्र ट्रस्ट के गेट नंबर तीन के पास पहुंची और वहां बैठी रहीं। कुछ देर अपने बच्चे को सड़क किनारे बैठा दिया फिर उन्होंने अपने बैग से ज्वलनशील पदार्थ निकाला खुद छिड़क कर आग लगा ली। आग लगते ही महिला चीखने चिल्लाने लगी। यह देख वहां खड़े पुलिसकर्मियों ने आननफानन महिला पर कंबल फेंक आग बुझाई। इसके बाद उसे सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

इंस्पेक्टर गौतमपल्ली वेद प्रकाश राय के मुताबिक महिला का इलाज चल रहा है। महिला ने कुछ समय पहले दहेज प्रताड़ना का मुकदमा अपने पति व ससुरालीजनों पर दर्ज कराया था। मामले में पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भी भेजा था। मामले की जांच की जा रही है।

मृतकों के परिजनों, किसानों में विधायक अजय सिंह ने किया मुआवजा प्रमाण-पत्र का वितरण

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। हरैया विधायक अजय सिंह और एसडीएम हरैया विनोद कुमार पाण्डेय ने नदी में डूब कर मरने वाले सात मृतकों के परिजनों और सर्पदंश से मृतक के परिजन को को चार–चार लाख, तथा किसानों सहित कुल 155 लोगों को कृषि निवेश मुआवजा प्रमाण पत्र हरैया तहसील सभागार में मंगलवार को वितरित किया। विधायक अजय सिंह ने कहा कि कैसी भी आपदा हो भाजपा सरकार आपदा प्रभावितों के साथ हमेशा खड़ी है और मानवीय दृष्टिकोण के साथ राहत उपलब्ध करवाने का काम कर रही है। दिवंगत हुए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए विधायक ने कहा कि किसी के जान की भरपाई कदापि नहीं की जा सकती है।

विधायक ने मृतकों के परिजनों से बातचीत करके उनका हाल चाल भी लिया। एसडीएम हरैया विनोद कुमार पाण्डेय ने कहा की बाढ़ के दौरान हम लोगों ने पूरी टीम के साथ मुस्तैदी से कार्य किया और लोगों का हर संभव मदद करने का प्रयास किया।

मौके पर अखिलेश सिंह, राम ललित पाण्डेय, प्रवीण कुमार, उमेश सिंह, अमन पाण्डेय , सुनील त्रिपाठी, दीप्तधर दूबे, भरत सिंह, लवकुश वर्मा, शिवम पाण्डेय, निर्मल सिंह सहित बड़ी संख्या में लेखपाल, तहसील के कर्मचारी और कृषक बन्धु उपस्थित रहे।

सीसीटीवी की निगरानी में होंगी डीएलएड परीक्षाएं, सात परीक्षा केन्द्रों पर 3899 प्रशिक्षु देंगे परीक्षा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। डीएलएड प्रथम और तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 8 अगस्त से सात परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जायेंगी जिसमें कुल 3899 प्रशिक्षु शामिल होंगे। परीक्षा सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में कराई जाएगी जिसकी मॉनिटरिंग जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से की जाएगी। मंगलवार को यह जानकारी देते हुए डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने बताया कि परीक्षा को पूरी तरह नकल विहीन व शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराने का निर्देश देते हुए केंद्र व्यवस्थापकों को सारी तैयारी पूरी करने को कहा गया है। 8, 9 और 10 अगस्त को प्रथम सेमेस्टर तथा 12 ,13 और 14 अगस्त को तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा कराई जाएगी। प्रथम सेमेस्टर में 2580 तथा तृतीय सेमेस्टर में 1319 कुल 3899 प्रशिक्षु परीक्षा देंगे। परीक्षा में किसी भी तरह की गड़बड़ी न होने पाए इसके चलते बोर्ड परीक्षा की तर्ज पर सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में परीक्षा आयोजित की जा रही है। डीआईओएस कार्यालय से इसकी निगरानी के लिए डीआईओएस जगदीश प्रसाद शुक्ल द्वारा कार्मिकों की नियुक्ति भी की गई है। अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल चौहान द्वारा आदेश जारी कर सचल दल के लिए टीमों का गठन किया गया है तथा सभी परीक्षा केन्द्रों के लिए स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तनाती भी की गई है। सचल दल में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार, प्रवक्ता मारुत नंदन सिंह, सीता गुप्ता और शीला वर्मा को रखा गया है। जबकि स्टेटिक मजिस्ट्रेट के रूप में राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में अंबिका प्रसाद श्रीवास्तव, खैर इंटर कॉलेज में वेद प्रकाश पाण्डेय, बेगम खैर इंटर कॉलेज में दिलीप कुमार श्रीवास्तव, एएसएचएस एण्ड जीआरएस इंटर कॉलेज में हरीश कुमार त्रिपाठी, श्री कृष्ण पाण्डेय इंटर कॉलेज में महेंद्र यादव, हंसराज लाल इंटर कॉलेज गनेशपुर में संतोष कुमार श्रीवास्तव, शिवहर्ष किसान इंटर कॉलेज में सुनील कुमार यादव की तैनाती की गई है।

रक्तदान शिविर का सीएमओ ने किया उद्घाटन, युवाओं ने किया रक्तदान

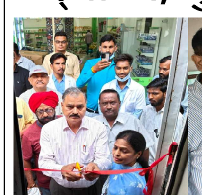

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। मंगलवार को अखिल भारतीय मारवाडी महिला मंच और रेड क्रास सोसायटी के संयुक्त पहल पर रेलवे स्टेशन रोड स्थित पतंजलि मेगा स्टोर परिसर में निःशुल्क रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. रमाशंकर दूबे ने शिविर का उद्घाटन करते हुये कहा कि रक्तदान को महादान इसलिये कहा गया है क्योंकि इसके द्वारा हम दूसरों की जान बचा सकते हैं और रक्त देने वालों को कोई दिक्कत नहीं होती।

अखिल भारतीय मारवाडी महिला मंच की अध्यक्ष नीतू गाडिया और रेड क्रास सोसायटी के सचिव कुलवेन्द्र सिंह ने बताया कि शिविर में 11 लोगों अखिलेश यादव, मयंक गाडिया, सचिन चौरसिया, सिमरन मान सिंह, संजीव अग्रवाल, सिद्धान्त मिश्र, संजय गाडिया, अरविन्द कुमार पाण्डेय, मनोज कुमार, सौम्य डिडवानिया और धर्मपाल जायसवाल ने रक्तदान किया। मारवाडी महिला मंच की राष्ट्रीय अंगदान, नेत्रदान प्रमुख पूनम गाडिया ने बताया कि मंच द्वारा व्यापक जनहित में ऐसे रचनात्मक कार्यक्रम किये जाते हैं।

वरिष्ठ चिकित्सक और रेड क्रास सोसायटी के वरिष्ठ सदस्य डा. वी.के. वर्मा ने रक्तदान करने वालों को प्रमाण–पत्र देने के साथ ही रक्तदान के महत्व पर जानकारी दी।

रक्तदान शिविर को सम्पन्न कराने में नेहा गाडिया, ममता डिडवानिया, राधा अग्रवाल, पिंकी गाडिया, रश्मि अग्रवाल, भरत डिडवानिया, एल.के. पाण्डेय, देव फाउन्डेशन के राम जी पाण्डेय, काजी फरजान, नरेश सडाना, जगदीश शुक्ला, लाडले हैदर रिजवी, डा. श्याम नरायन चौधरी, मेंहदी हसन राजू, हरैया गुप्ता आदि ने योगदान दिया। ओपेक चिकित्सालय कैली के डा. सिद्धार्थ शंकर सिन्हा, डा. अखिलेश मद्धेशिया, गोविन्द शुक्ला, राजेश बरनवाल, शिवसरन मिश्र, कमलेश, चन्दन, अभिषेक सिंह, भानु यादव आदि ने योगदान दिया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 7 अगस्त 2024 बुधवार

सम्पादकीय

बांग्लादेश में उथल—पुथल

भले ही प्रथम दृष्टया, बांग्लादेश में हसीना सरकार के पतन की वजह आरक्षण विरोधी आंदोलन से उपजा आक्रोश बताया जा रहा हो, मगर इस आक्रोश की बुनियाद सात माह पूर्व हुए चुनाव में अनियमितताओं के बाद ही पड़ गई थी। हाल के दिनों में व्यापक पैमाने पर हुए हिंसक प्रदर्शनों ने शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद त्यागकर देश छोड़ने को मजबूर कर दिया। पिछले करीब तीन सप्ताह में हुई आरक्षण विरोधी हिंसा में तीन सौ से अधिक लोगों की जान चली गई। दरअसल, इस संकट की मूल वजह एक लोकतांत्रिक नेतृत्व का तानाशाह बनना बड़ा कारण रहा। वास्तव में लगातार चार बार प्रधानमंत्री बनने वाली शेख हसीना ने जनाक्रोश को हल्के में लिया। जिससे बांग्लादेश के जनमानस में गहरे तक यह भाव पैदा हुआ कि उनकी आकांक्षाओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। हालांकि, पाक परस्त राजनीतिक दलों ने इस आक्रोश को अपने लिये सत्ता का रास्ता बनाने में इस्तेमाल किया, लेकिन इस संकट को शह देने में कई विदेशी ताकतें भी पीछे नहीं रही। दरअसल, महज सात माह पहले हुए आम चुनावों के बाद से ही देश में जनाक्रोश धीरे—धीरे बढ़ने लगा था। दक्षिणपंथी रुझान वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी और अन्य राजनीतिक दलों ने आम चुनावों का बहिष्कार किया था। हालांकि,शेख हसीना लगातार चौथी बार सत्ता में तो आई, लेकिन विपक्षी दल जनता में यह संदेश देने में कामयाब रहे कि चुनावों में धांधली हुई है। इस तरह चुनावों के संदिग्ध तौर—तरीकों ने शेख हसीना की जीत को धूमिल कर दिया। जिसका अंतर्राष्ट्रीय जगत में भी अच्छा संदेश नहीं गया। तभी पिछले महीनों में अपनी सरकार के लिये अंतर्राष्ट्रीय समर्थन जुटाने हेतु शेख हसीना ने भारत व चीन की यात्रा की थी। हालांकि, इस दौरान देश में स्थितियां उनके अनुकूल नहीं थी। वास्तव में शेख हसीना लगातार विस्फोटक होती स्थितियों का सावधानी से आकलन नहीं कर पायी। आरक्षण आंदोलन को दबाने के लिये की गई सख्ती ने आग में घी का काम किया।

हालांकि, लगातार चौथी बार सरकार बनाने वाली शेख हसीना के खिलाफ उपजे आक्रोश के मूल में तात्कालिक कारण अतार्किक आरक्षण ही रहा, लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल व उनके आनुषंगिक संगठन सरकार को उखाड़ने के लिये बाकायदा मुहिम चलाये हुए थे। दरअसल, वर्ष 1971 में बांग्लादेश को पाकिस्तान के दमनकारी शासन से आजादी दिलाने वाले स्वतंत्रता सेनानियों की तीसरी पीढ़ी के रिश्तेदारों के लिये उच्च सरकारी पदों वाली नौकरियों में तीस प्रतिशत आरक्षण का विरोध छात्रों ने किया। उनका तर्क था कि उनकी कई पीढ़ियां आरक्षण का लाभ उठा चुकी हैं, फलतरू बेरोजगारों को नौकरियां नहीं मिल रही हैं। लेकिन इस आंदोलन को हसीना सरकार ढंग से संभाल नहीं पायी। आंदोलनकारियों से निबटने के लिये की गई सख्ती से आंदोलन लगातार उग्र होता गया। जिसका विपक्षी राजनीतिक दलों ने भरपूर लाभ उठाया। हालांकि,सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण को घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया था, लेकिन सरकार इस संदेश को जनता में सही ढंग से नहीं पहुंचा सकी। फिर छात्र नेताओं की गिरफ्तारी ने आंदोलन को उग्र बना दिया। बड़ी संख्या में आंदोलनकारी सड़कों पर उतरे। उन्होंने हसीना सरकार के खिलाफ मजबूत मोर्चा खोल दिया। जनाक्रोश के चरम का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आक्रामक भीड़ ने मुक्ति आंदोलन का नेतृत्व करने वाले 'बंगबंधु' शेख मुजीबुर रहमान की मूर्ति तक को तोड़ दिया। निस्संदेह, सत्ता से चिपके रहने के लिये किए जाने वाले निरंकुश शासन की परिणति जनाक्रोश के चरम के रूप में सामने आती है। यह घटनाक्रम श्रीलंका में 2022 के विरोध प्रदर्शन की याद ताजा कर गया, जिसमें वहां राजपक्षे बंधुओं को सत्ता से उतरकर विदेश भागने को मजबूर होना पड़ा था। हालांकि, फिलहाल बांग्लादेश में सेना ने कमान अपने हाथ में ली है लेकिन आने वाली सरकार को उच्च बेरोजगारी, आर्थिक अस्थिरता, मुद्रास्फीति जैसे ज्वलंत मुद्दों का समाधान करना होगा। हालांकि, भारत के हसीना सरकार से मधुर संबंध थे, लेकिन हालिया उथल—पुथल को देखते हुए हमें अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा। पाकिस्तान परस्त बीएनपी और जमात—ए—इस्लामी की आसन्न वापसी से भारतीय उपमहाद्वीप में उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों के प्रति सावधान रहने की जरूरत होगी।

शिक्षा के बाजारीकरण, पेपर लीक में उलझी युवा पीढी

—क्षमा शर्मा—

पिछले दिनों से दिल्ली के कोचिंग सेंटर चर्चा में हैं। बारिश के कारण एक बेसमेंट में पानी भर गया और तीन बच्चों ने अपनी जान गंवा दी। उससे पहले यूपीएससी की ही तैयारी करने वाला एक बच्चा बारिश में करंट लगने से मर गया। हर साल लाखों बच्चे अपनी आंखों में तमाम सपनों को लिए यहां आते हैं और जीवन के बहुमूल्य वर्ष लगा देते हैं।

कोचिंग सेंटर्स में देश भर से आए बच्चे यूपीएससी की तैयारी करते हैं। वे किन विकट परिस्थितियों में रहते हैं, इसे मीडिया ने बार—बार दिखाया और बताया है। कितनी कम जगह के लिए उन्हें भारी किराया देना पड़ता है। कैसा खाना मिलता है। मकान मालिक बिजली का खर्चा बहुत ज्यादा लेते हैं। उस पर रात—दिन की मेहनत। लेकिन जब तक कोई हादसा नहीं होता, कोई नहीं जागता। न सरकार, न कोचिंग सेंटर्स के मालिक, न ही बच्चे, न बच्चों के माता—पिता। मीडिया भी। क्योंकि ये कोचिंग सेंटर्स बड़े विज्ञापनदाता भी हैं। आखिर इनसे कौन दुश्मनी मोल लेकर अपनी आय का नुकसान करे। न ही सरकारी अधिकारियों को कभी इस बात का खयाल आता है कि वे उन चीजों को अनदेखा कर रहे हैं जो कभी भी किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती हैं। हां, जब दुर्घटना हो जाती है, तब जिम्मेदारी एक से दूसरे पर डाल दी जाती है।

फिल्म बारहवीं फेल में भी हम ये सब देख चुके हैं। यह फिल्म बहुत सफल भी हुई थी। बच्चे ही नहीं उनके माता—पिता चाहते हैं कि किसी तरह बच्चा आईएएस या, आईपीएस, अथवा अन्य सेवाओं में एक बार आ भर जाए तो न केवल उसकी जिंदगी बन जाए बल्कि माता—पिता की भी और दहेज भी मोटा मिले। एक बार एक खबर पढ़ी थी कि जो बच्चे आईएएस बन जाते हैं, उनका नाम लिस्ट में देखकर उनके घर में बड़ा वाहन रुपये लेकर लोग पहुंच जाते हैं। और रिश्ता पक्का करना चाहते हैं। यूपीएससी का इम्तिहान देने के लिए हर साल लाखों बच्चे तैयारी करते हैं जबकि चयन कुछ ही का होता है। एक सफल के पीछे हजारों असफल खड़े रहते हैं। कई—कई बार तो दशकों इसमें निकल जाते हैं, मगर सफलता के साथी सब हैं असफलता की कहानी कोई नहीं कहता। न ही उस संघर्ष और जी तोड़ मेहनत के बारे में बताया जाता है कि वर्षों तक अठारह—बीस घंटे मेहनत करने और सब कुछ दांव पर लगाने के बावजूद कुछ हाथ नहीं आया।

आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में रहकर पढ़ाई करने वाले बच्चों की सफलता का प्रतिशत औरों से ज्यादा है, इसीलिए बच्चे दिल्ली आते हैं। इनमें सबसे ज्यादा संख्या में बच्चे बिहार से आते हैं। एक रिपोर्ट में बताया गया था कि साल 2002 से 2012 में परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद अठारह हजार, एक सौ चौहत्तर बच्चों ने इंटरव्यू दिया था। मगर सफल सिर्फ दो हजार, दो सौ इकतालीस बच्चे ही हुए थे। सफलता का प्रतिशत इतना कम होने पर भी इस परीक्षा की तैयारी करने वाला हर बच्चा सोचता है कि वह अपने परिश्रम से जीत हासिल कर लेगा, पर ऐसा होता बहुत कम के साथ है।

यूपीएससी को कठिनतम परीक्षाओं में से एक माना जाता है। अफसोस होता है कि बच्चों के परिजन, साथ में जहां रहकर ये तैयारी करते हैं वे सेंटर्स, न इनके स्वास्थ्य का खयाल रखते हैं न इनकी मामूली सुविधाओं का। ये पैसे बरसाने वाली मशीनें हैं, जो जितनी बड़ी संख्या में आएंगी लोगों की जेबें उतनी ही फूलती जाएंगी। तभी तो दिल्ली में कुल कोचिंग सेंटर्स की संख्या पांच सौ तिरासी है और सिर्फ सड़सठ के पास सुरक्षा मानकों को पूरे करने वाले प्रमाण पत्र हैं। आखिर बिना सुरक्षा मानक पूरे किए इन सेंटर्स को क्यों चलने दिया गया।

फिर कोचिंग सेंटर्स हमेशा अपनी सफलताओं को बहुत रंगीन बनाकर पेश करते हैं। बहुत से इसमें झूठ—सच का सहारा भी लेते हैं। इसमें एक उदाहरण देना काफी होगा। करीब सत्ताईस—अट्ठाईस साल पहले एक युवा का न केवल आईआईटी बल्कि देश के बहुत से इंजीनियरिंग संस्थानों में चुनाव हुआ था। जैसे ही रिजल्ट आया कोचिंग संस्थानों से फोन आने लगे कि वह युवा अपना फोटो उन्हें छापने की अनुमति दे। जिसमें वे कह सकें कि इस युवा ने इतनी सफलता इसलिए पाई कि अमुक संस्थान से ट्रेनिंग ली थी। वे इसके लिए बड़ी रकम देने को भी तैयार थे। जबकि इस युवा ने खुद ही पढ़ाई की थी। इस युवा ने कोचिंग संस्थान वालों से मना कर दिया। ऐसा आज भी होता है। कोचिंग संस्थान चाहे यूपीएससी के हों, इंजीनियरिंग के हों, अथवा मेडिकल या एमबीए के, अधिकांश की कहानी कमोबेश एक जैसी ही होती है। कोटा में भी यही हाल देखने को मिलता है। वहां तो और भी कम उम्र के बच्चे मेडिकल की तैयारी करने आते हैं। बहुत बार इतने निराश होते हैं कि जान दे देते हैं।

लेकिन अन्य परीक्षाओं के साथ यूपीएससी की कहानियां बेहद दर्दनाक हैं। खास तौर से तब जब वे असफलता से जुड़ी हों। बहुत बार इस आशा में कि बच्चा बड़ा अफसर बन जाएगा, माता—पिता अपनी जमीन, खेत मकान सब कुछ बेच देते हैं, कर्ज ले लेते हैं, मगर जरूरी नहीं कि उनका बच्चा सफल ही हो। और कई बार ऐसा होता है कि एक सफलता की आशा में पूरा का पूरा परिवार बर्बाद हो जाता है। भारत में माता—पिता का ध्यान अक्सर सरकारी नौकरी पर रहता है। और यदि नौकरी सरकारी है और ऊपरी कमाई वाली भी है तो कहना ही क्या। क्योंकि एक बार सरकारी नौकरी मिल जाए तो जीवन भर के लिए पक्की समझिए। इसीलिए विवाह के मामले में भी लोग उन लड़कों को पसंद करते हैं जिनकी सरकारी नौकरी होती है।

कई साल पहले यह लेखिका एक ऐसे दक्षिण भारतीय लड़के से मिली थी जो बहुत पढ़ा—लिखा था। अपने हुनर में माहिर था, मगर बड़ी उम्र हो जाने के बावजूद उसकी शादी दो कारणों से नहीं हो रही थी, एक तो उसकी सरकारी नौकरी नहीं थी और दूसरे वह विदेश में नौकरी नहीं करता था। दोनों में से एक भी बात होती तो शायद उसकी शादी समय पर हो गई होती। उत्तर भारत में भी ऐसी ढेरों कहानियां मौजूद हैं। जो लोग तमाम प्रयासों के बावजूद यूपीएससी में सफल नहीं हो पाते, इसका दुःख उन्हें जिंदगी भर सालता रहता है। अपने ही किसी साथी को बड़ा अफसर देख उनका दुःख और बढ़ जाता है। फिर जिस सपने को लेकर दिल्ली आए थे, वह पूरा नहीं हुआ तो वे अपने नाते—रिश्तेदारों, अड़ोसी—पड़ोसियों की नजर में गिर जाते हैं। तरह—तरह का अपमान झेलते हैं।

समाज में शक्ति और अधिकार के प्रति इतना सम्मान है कि बाकी मानवीय गुण पीछे छूट जाते हैं। इस मामले में महान लेखक जयशंकर प्रसाद के नाटक स्कंद गुप्त का ही पहला वाक्य याद आता है—अधिकार सुख कितना मादक और सारहीन है।—लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

बांग्लादेश का गहराता संकट और आरक्षण

— दीपक कुमार त्यागी—

बांग्लादेश निर्माण के लिए संघर्ष करने वाले परिवारों के लिए पीढ़ी दर पीढ़ी मिलने वाले 30 फीसदी आरक्षण को हटाने की मांग को लेकर के देश के छात्र लंबे समय से सड़कों पर उतर करके हिंसक आंदोलन करके जान गंवा रहे थे। लेकिन बांग्लादेश की सरकार ने छात्रों की भावनाओं को अनदेखा करते हुए आरक्षण के इस बेहद ज्वलंत बन चुके मुद्दे को कभी हाइकोर्ट व कभी सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की आड़ में अटकाए व भटकाएं रखा हुआ था। जिसके चलते ही 5 अगस्त 2024 की दोपहर को आरक्षण का यह मुद्दा शेख हसीना की सरकार को आखिरकार ले ही डूबा। छात्रों के आरक्षण विरोध की जबरदस्त आग के चलते अब बांग्लादेश में तख्तापलट हो गया है, छात्रों ने संसद, पीएम हाउस आदि तक पर भी अपना कब्जा कर लिया है, गुस्से की आग में झुलस रहे छात्रों ने बांग्लादेश के संस्थापक मुजीबुर्रहमान की मूर्ति तक को भी नहीं बख्शा है। हालांकि बांग्लादेश देश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 5 अगस्त की दोपहर को ही अपने पद से इस्तीफा देकर के बंग्लादेश को सुरक्षित रूप से छोड़ दिया है। जबरदस्त हिंसा की आग में झुलसते बांग्लादेश की राजधानी ढाका से पीएम शेख हसीना फिलहाल सुरक्षित भारत के दिल्ली से सटे गाजियाबाद में बने हिंडन एयरबेस पहुंच गयी हैं। वहीं बांग्लादेश के सेनाध्यक्ष ने हिंसा रोकने के लिए पुलिस को हटाकर के देश को पूरी तरह से सेना के हवाले कर दिया है और उन्होंने छात्रों को उनकी मांग मानने का आश्वासन देते हुए देश में जल्द ही अंतरिम सरकार का गठन करने की घोषणा की है।

भयावह कोविड़काल में अपनी अर्थव्यवस्था का दुनिया में लोहा मनवाने वाला बांग्लादेश छात्रों के हिसंक आंदोलन में जल रहा है। अब देश व दुनिया के विशेषज्ञ यह आंकलन करने में लगे हुए हैं कि आखिरकार की बांग्लादेश में यह स्थिति कैसे हो गयी।

भयावह कोविड़काल में अपनी अर्थव्यवस्था का दुनिया में लोहा मनवाने वाला बांग्लादेश छात्रों के हिसंक आंदोलन में जल रहा है। अब देश व दुनिया के विशेषज्ञ यह आंकलन करने में लगे हुए हैं कि आखिरकार की बांग्लादेश में यह स्थिति कैसे हो गयी। हालांकि आज की परिस्थिति में विचारणीय तथ्य यह है कि बांग्लादेश में आरक्षण के विरोध की आग में झुलसते हुए यह आलम कैसे हो गया कि वहां पर हिंसा में सैंकड़ों छात्र व आम लोगों असमय काल का ग्रास अचानक से ही बन गये। लेकिन अब तख्तापलट के बाद भी हिंसा आज भी अनवरत रूप से जारी है, दंगा—फसाद में देश के आम लोगों की मौत होना अब भी जारी है, पूरे देश में अस्थिरता का माहौल होने के चलते जान—माल की भारी क्षति होना निरंतर जारी है, स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पूरे देश को सेना के हवाले कर दिया गया है। बांग्लादेश में बने बेहद तनावपूर्ण हालात के चलते भारत सरकार ने बांग्लादेश से लगती हुई अपनी पूरी सीमा पर हाईअलर्ट करते हुए एक—एक पल की निगरानी के लिए जांबाज सुरक्षाकर्मियों को आदेश दे दिया है। सीमावर्ती क्षेत्र में स्थिति पर पैनी नजर बनाए रखने के लिए खुद बीएसएफ के डीजी सीमाओं का दौरा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ—साथ अजीत डोभाल पूरी स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

लेकिन भारत की सीमाओं की सुरक्षा व्यवस्था को चाक—चौबंद बनाएं रखने के लिए अब सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि भारत आज ऐसे पड़ोसी देशों की सीमाओं से घिर गया है, जहां पर जबरदस्त ढंग से हिंसा व अस्थिरता का माहौल बना हुआ है। भारत के पड़ोसी बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, नेपाल, श्रीलंका, म्यांमार, मालदीव आदि में माहौल बेहद ही अस्थिरता पूर्ण बना हुआ है। इन देशों में भारत के कट्टर दुश्मन चीन की मजबूत पकड़ तेजी से बनती जा रही है, जो स्थिति भारत के लिए चिंताजनक है। अस्थिर पड़ोसी देशों के दोर में भारत को अब बेहद ही सावधान रहना होगा, अपनी सीमाओं पर होने वाली हर छोटी—बड़ी हलचल पर पैनी नजर बनाए रखना होगा। सीमा से लगते देशों के बाहरी व अंदरुनी मामलों पर भी हर पल तेज नजर बनाए रखनी होगी। विशेषकर बांग्लादेश से लगने वाले राज्य बंगाल में अब भारत सरकार को बहुत ही ध्यान देना होगा, भारत के अंदर भी धार्मिक व जातिगत उन्माद को बनने से रोकना होगा, तब ही भविष्य में भारत भी पूरी तरह से सुरक्षित रह सकता है।

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट (होने के बाद नोबेल विजेता मुहम्मद यूनुस की अगुवाई में वहां अंतरिम सरकार बनने वाली है। नई सरकार के सत्ता में आने का मतलब है विदेशी कूटनीति में भी बदलाव आएंगे।शेख हसीना सरकार की विदाई ने भारत की भी चिंता बढ़ा दी है। माना जा रहा है कि बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) और जमात—ए—इस्लामी जैसी पार्टियां सत्ता में काबिज हो सकती हैं। इन पार्टियों का झुकाव चीन और पाकिस्तान की ओर है।

दरअसल, भारत—बांग्लादेश के बीच 4096 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी थल सीमा है। देश के पांच राज्यों से बांग्लादेश की सीमा लगती है। इस पूरे क्षेत्र में मैदानी, जल, पहाड़ी और जंगली क्षेत्र का विशाल भूभाग है और इसकी जनसंख्या भी काफी अधिक है। पड़ोसी देश में फैली अस्थिरता की वजह से बड़ी तादाद में लोग वहां से भारत पलायन करने की सोच सकते हैं। बांग्लादेश से शरणार्थियों का देश में आगमन बढ़ सकता है, जो देश की सुरक्षा के लिए खतरा है। शेख हसीना ने हमेशा भारत का साथ दिया है। उनके कार्यकाल के दौरान दोनों देशों के बीच, ऊर्जा, कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे – जैसे क्षेत्रों में काफी काम हुआ है। वहीं, व्यापार क्षेत्र में भी दोनों देशों का सहयोग अच्छा रहा है।

तीस्ता सिंचाई परियोजना को लेकर दोनों देश पिछले कुछ सालों से बातचीत चल रही है। पीएम नरेंद्र मोदी और शेख हसीना के बीच तीस्ता नदी कंजर्वेशन प्रोजेक्ट पर चर्चा हुई है। इस परियोजना पर चीन की भी बुरी नजर है। अगर बांग्लादेश सरकार की नीतियों में बदलाव आता है तो जाहिर सी बात है कि इसका बुरा असर इस परियोजना पर भी पड़ सकता है। भारत और बांग्लादेश एक बड़े ट्रेडिंग पार्टनर रहे हैं। मौजूद आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023—24 में दोनों देशों के बीच कुल ट्रेड 14.22 अरब डॉलर का रहा था। वित्त वर्ष 2023 में भारत से बांग्लादेश के लिए 6,052 वस्तुओं का निर्यात किया गया था। निर्यात का ये आंकड़ा 12.20 अरब डॉलर रहा था, जो कि वित्त वर्ष 2022 में हुए 16.15 अरब डॉलर की तुलना में कम था। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि परिस्थितियां क्या मोड़ लेती हैं।

नशे से मुक्ति दिलाने की पहल

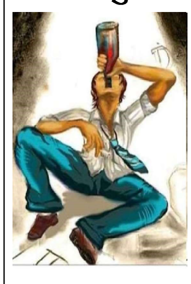

—राजेन्द्र मोहन शर्मा—

भारत वर्ष एक विशाल वट वृक्ष के रूप में दिन दोगुनी रात चौगुनी उन्नति कर रहा है परंतु नशारूपी दीमक इस वट वृक्ष को जड़ों से खा रही है। नशाखोरी हमारी सभ्यता और युवा वर्ग की नस—नस में घुसती जा रही है। कहा जाता है कि नशे का प्रचलन प्राचीन काल से ही होता रहा है। आज का युग विज्ञान व तकनीकी का युग है। आज युवा वर्ग शराब, भांग, अफीम, कोकीन व हैरोइन (चिट्टा) जैसे खतरनाक नशों के जाल में फंसता जा रहा है। एक सर्वे के अनुसार नशे से ज्यादा प्रभावित राज्यों में मणिपुर, केरल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश,गोवा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़, पंजाब व हरियाणा जैसे राज्य शामिल हैं। नशे की लत में महिलाएं विशेषतयरू स्कूलों व कालेजों की युवा लड़कियां भी पीछे नहीं हैं।

मादक पदार्थों की धरपकड़ के लिए सरकार ने राज्य पुलिस के अतिरिक्त नारकोटिक ब्यूरो जैसे विशेष संस्थान चला रखे हैं मगर फिर भी इस समस्या का सम्पूर्ण समाधान होता नजर नहीं आ रहा है। लोगों में जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं तथा इसी तरह नशे से छुटकारा पाने के लिए 30 जनवरी को नशा मुक्ति संकल्प और शपथ दिवस, 31 मई को अंतर्राष्ट्रीय धूम्रपान दिवस, 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस और 2 से 8 अक्तूबर तक भारत में मद्य निषेध सप्ताह मनाया जाता है। कहते हैं कि यहां पर इच्छा शक्ति हो वहां पर रास्ता भी निकाला जा सकता है। यह इच्छाशक्ति समाज के हर वर्ग की होनी चाहिए।

मादक पदार्थों के प्रयोग के विरुद्ध पुलिस को सामुदायिक योजनाओं के अंतर्गत उपाय करने की जरूरत है। इसी तरह इस कार्य में लगाए गए पुलिस अधिकारियों को भी न केवल संवेदनशील बल्कि ईमानदारी व कर्त्तव्य निष्ठा से काम करना चाहिए। देखा गया है कि बहुत से अधिकारी केवल आंकड़े बढ़ाने के उद्देश्य से ही काम करते हैं तथा कहीं न कहीं बड़े व्यापारियों के साथ सांठ—गांठ रखते हैं। हिमाचल पुलिस के पुलिस महानिदेशक अतुल वर्मा इस क्षेत्र में काफी रुचि ले रहे हैं तथा उनके साथ हुई मेरी भेंट में उन्होंने बताया कि अन्य उपायों के अतिरिक्त वह सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों का योगदान प्राप्त करने के लिए भी एक योजना बना रहे हैं।

ऐसे संगठित अपराधों की रोकथाम में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी, जिनका लंबा अनुभव होता है, अहम भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे अधिकारियों का सहयोग प्राप्त करने के लिए कुछ सुझाव दिए जा रहे हैं—1) जिला स्तर पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जिले के सभी सेवानिवृत्त अधिकारियों की सूची बनानी चाहिए तथा पुलिस अधीक्षक व उसके अन्य अधिकरियों द्वारा इन सेवानिवृत्त अधिकारियों के साथ महीने के अन्तराल में मोबाइल पर बातचीत करनी चाहिए।

2) कम से कम 3 महीने के अंतराल में इन सभी अधिकारियों को एक सामान्य जगह पर आमंत्रित करना चाहिए तथा उनसे अपने—अपने इलाके के नशे के कारोबार में लगे हुए लोगों की जानकारी लेनी चाहिए।

3) उनकी रिपोर्टिंग को पूर्णतयरू गुप्त रखना चाहिए तथा उन्हें गवाह के रूप में प्रयुक्त नहीं करना चाहिए। उनकी सूचना के आधार पर पुलिस दस्ते को खुफिया कार्रवाई करनी चाहिए।

4) आमतौर पर पुलिस केवल उन्हीं लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करती है जो सीधे तौर पर पकड़ में आ जाते हैं जबकि मुख्य अपराधी जो आपूर्ति का काम करते हैं, के बारे में कोई विशेष कार्रवाई नहीं की जाती। इस संबंध में सेवानिवृत्त अधिकारियों का सहयोग लिया जाना चाहिए ।

इसके लिए इच्छा शक्ति की जरूरत है जोकि केवल सरकार या पुलिस प्रशासन की ही नहीं बल्कि समाज और जनता की भी होनी चाहिए। समाज की इच्छाशक्ति जागृति के लिए अन्य सगंठनों के अतिरिक्त, पुलिस विभाग अपने सेवानिवृत्त अधिकारियों, कर्मचारियों का ऐच्छिक सहयोग प्राप्त कर सकती है मगर उनके सहयोग को पाने के लिए उनकी व्यक्तिगत समस्याओं जैसे कि उनके स्वास्थ्य जांच के लिए समय—समय पर गाड़ी या कोई प्रतिनिधि भेजना चाहिए।

ग्राम प्रधान पद पर 65.07 व बीडीसी पद पर हुआ 39.27 प्रतिशत मतदान

संवाददाता—बलरामपुर। जिले के चार ग्राम प्रधान व एक बीडीसी सीट पर मंगलवार को शांतिपूर्ण ढंग से उप चुनाव सम्पन्न हुआ। प्रधान पद के लिए चारों ग्राम पंचायतों में 5810 मतदाताओं के सापेक्ष 3781 लोगों ने मतदान किया, जो 65.07 प्रतिशत है। वहीं उतरौला ब्लाक के मटियारिया कर्मा गांव में बीडीसी पद पर 1492 के सापेक्ष 586 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यहां पर 39.27 प्रतिशत मतदान हुआ। तुलसीपुर व सदर ब्लाक मुख्यालय पर ग्राम प्रधान एवं उतरौला ब्लाक मुख्यालय पर आठ अगस्त को सुबह आठ बजे मतगणना कराई जाएगी।

सदर ब्लाक के ग्राम घुघुलपुर, करमोहना व सिंगाही में ग्राम प्रधान पद पर उप चुनाव सम्पन्न हुआ है। तीनों गांवों में सात उम्मीदवारों के बीच जबरदस्त मुकाबला माना जा रहा है। तुलसीपुर ब्लाक के ग्राम लालनगर सिपहिया में ग्राम प्रधान पद पर चार उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। यहां पर भी शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न हुआ। सदर ब्लाक के ग्राम पंचायत घुघुलपुर में दो प्रत्याशी पियूष पाण्डेय व लीलावती चुनाव मैदान में हैं। यहां पर 2151 मतदाताओं में से 1544 मतदाताओं ने तीन बूथों पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। यहां पर 71.78 प्रतिशत मतदान हुआ है। करमोहना में प्रीती सिंह व सुरेश कुमार यादव के बीच मुकाबला है। सेक्टर मजिस्ट्रेट अनुपम शुक्ला ने बताया कि करमोहना में 50.4 प्रतिशत मतदान हुआ है। यहां पर 1527 मतदाताओं में से 770 ने दो बूथों पर मतदान किया है। सिंगाही में नीता मौर्या, सत्य प्रकाश व बाबूराम के बीच त्रिकोणिए मुकाबला बताया जा रहा है। यहां पर 1354 मतदाताओं में से 1040 ने दो बूथों पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। यहां पर 76.80 प्रतिशत मतदान हुआ है। वहीं तुलसीपुर ब्लाक के ग्राम पंचायत लालनगर सिपहिया में अखिलेश्वर, कृष्ण कुमार, तुलसीदास व मोहम्मद हनीफ के बीच मुकाबला है।

मतदान के दौरान आने वाली छिटपुट समस्याओं का समाधान सेक्टर मजिस्ट्रेट ने अपनी सूझबूझ से कराया। सदर ब्लाक के तीनों ग्राम पंचायतों में तैनात सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने—अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहे। करमोहना गांव में नायब तहसीलदार अनुपम शुक्ला को सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया था। अनुपम शुक्ला ने बताया कि करमोहना में मतदान के दौरान कोई विवाद उत्पन्न नहीं हुआ। मतदाता सूची में कुछ कमियां सामने आई थीं। मतदाताओं के नाम में गड़बड़ी होने पर दोनों प्रत्याशियों के सहमति के आधार पर मतदान करने का अधिकार दिया गया। सिंगाही व घुघुलपुर के सेक्टर मजिस्ट्रेट सदर तहसीलदार अखिलेश ने बताया कि शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न हुआ। यहां पर किसी भी प्रकार का कोई विवाद उत्पन्न नहीं हुआ। तुलसीपुर ब्लाक के लालनगर सिपहिया में अखिलेश्वर, कृष्ण कुमार, तुलसीदास व मोहम्मद हनीफ के बीच कांटे का मुकाबला माना जा रहा है। यहां पर 778 मतदाताओं में 427 लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यहां पर 54.43 प्रतिशत मतदान हुआ है।

उतरौला ब्लाक के ग्राम पंचायत मटियरिया कर्मा में क्षेत्र पंचायत सदस्य पद पर उप चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। यहां पर आलोक कुमार व हरीराम के बीच चुनावी मुकाबला है। मंगलवार को सुबह सात बजे शुरू हुए मतदान में 1492 मतदाताओं में से 586 लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यहां पर सबसे कम 39.27 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदेय स्थल पर सुबह से ही सुरक्षा के मद्देनजर भारी संख्या में सुरक्षा कर्मी मौजूद रहे। वहीं सेक्टर मजिस्ट्रेट भी लगातार बूथों का जायजा लेते रहे।

मदरसा छात्र हत्याकांड में प्रधानाचार्य शिक्षक व अनुचर निलंबित

संवाददाता—बलरामपुर। तुलसीपुर के मदरसा जामिया नईमिया अरबी कॉलेज के हॉस्टल परिसर में कक्षा दो के छात्र अयान की हत्या के मामले में हॉस्टल संचालन पर अग्रिम आदेश तक के लिए रोक लगा दी गई है। साथ्ध ही मदरसा के प्रधानाचार्य, शिक्षक व अनुचर को निलंबित कर दिया गया है।

गुरुवार रात तुलसीपुर स्थित जामिया नईमिया अरबी स्कूल के हास्टल परिसर में कक्षा दो के छात्र अयान की चाकू भोंककर हत्या कर दी गई थी। जांच में पाया गया कि हत्या के दौरान सीसीटीवी कैमरा बंद था। कैमरा 15 अप्रैल से बंद होने की बात कही गई है। इस बात को जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी यशवंत मौर्य ने घोर लापरवाही माना है। उन्होंने बताया कि मदरसा में जांच के दौरान घटना के दिन सीसीटीवी कैमरा खराब पाया गया। लापरवाही पर प्रधानाचार्य नूर आलम, मदरसा हॉस्टल की देखरेख करने वाले शिक्षक मोहम्मद अहमद को ड्यूटी से गायब रहने व अनुचर वारिस अली को लापरवाही बरतने पर निलंबित कर दिया गया है। हॉस्टल गेट पर कर्मी की व्यवस्था न होने, बाउंड्रीवाल ऊंची न होने, अग्निशामक यंत्र की व्यवस्था न होने, निगरानी समिति का गठन न होने, हॉस्टल के कमरों में सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था न होने, मदरसा व हॉस्टल का भवन अलग—अलग न होने व आगंतुक पंजिका न होने के चलते हॉस्टल का संचालन अग्रिम आदेश तक के लिए रोक दिया गया है। मदरसा का सीसीटीवी कैमरा 15 अप्रैल से खराब था। टेक्निकल जांच में पाया गया है कि बीच—बीच में कैमरा अपने आप ठीक हो जाता था। 15 अप्रैल के बाद अधिकांश समय तक कैमरा खराब पाया गया। टेक्निकल जांच टीम ने अपने जांच में कैमरा के पॉवर में कमी होनी बताई है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी यशवंत मौर्य ने बताया कि सीसीटीवी खराब होने की सूचना प्रधानाध्यापक, वार्डन, जिम्मेदार शिक्षक व अनुचर ने नहीं दी। इस बात को लेकर उनपर कार्रवाई की गई है। तुलसीपुर स्थित मदरसा में गुरुवार रात छात्र अयान की चाकू भोंककर उसके साथी ने ही हत्या कर दी थी। पुलिस ने जांच के लिए सीसीटीवी कैमरा के इंजीनियर को बुलवाया था। एसपी विकास कुमार के निर्देश पर सीसीटीवी कैमरा जांच के लिए टेक्निकल कमेटी का गठन किया गया। कैमरा 15 अप्रैल से खराब था। इस बात को लेकर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने प्रधानाध्यापक, शिक्षक व अनुचर के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की है। साथ ही उनका वेतन रोकने का भी आदेश दिया है।

प्राइवेट कर्मियों को देख आक्रोशित हुए अधिवक्ता

संवाददाता—महराजगंज। तहसील के विभिन्न कार्यालयों में तैनात प्राइवेट कर्मियों को देख अधिवक्ता आक्रोशित हो उठे। इसके बाद अधिवक्ता सभी कार्यालयों में पहुंचकर कर्मियों का वीडियो बनाने लगे। वहीं आक्रोशित अधिवक्ताओं को वीडियो बनाते देख प्राइवेट कर्मियों में हड़कंप मच गया। कुछ लोग तो कार्यालय छोड़ पहले से ही भाग निकले थे। अधिवक्ता पूर्व मंत्री प्रवीण पाण्डेय ने बताया की तहसील में एसडीएम, तहसीलदार, रजिस्टार कानूनगो, वीआरसी, उपनिबंधक, तहसीलदार आफिस सहित कई जगहों पर प्राइवेट लोगों को रखकर मनमाने तरीके से कार्य कराया जा रहा है। ऐसे में तहसील के कई सूचनाएं बाहर जा रही है। इन्होंने एसडीएम से मौखिक शिकायत कर इन कर्मियों को हटाने की मांग की है।

सिंचाई कर्मियों की मांगें मानी, धरना समाप्त

संवाददाता—गोण्डा। मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन इरीगेशन डिपार्टमेंट उप्र के पदाधिकारियों और अधीक्षण अभियंता मनोज साहू के बीच मंगलवार दोपहर में वार्ता हुई। संगठन की मांगे माने जाने के बाद कर्मियों ने धरना खत्म कर दिया। अध्यक्ष ओमप्रकाश तिवारी और मंत्री अजीत कुमार पांडेय ने बताया कि सभी कर्मचारी अपने काम पर वापस लौट गए हैं। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों के हित के लिए संघर्ष करना ही संगठन के पदाधिकारियों का उद्देश्य है।

रोटावेटर लगा ट्रैक्टर पलटने से दो घायल, रेफर

संवाददाता—गोण्डा। थाना क्षेत्र के ग्राम आटा में मंगलवार को भोंदू पुरवा मोड़ के पास बेकाबू हुए एक ट्रैक्टर व रोटावेटर पलटने से उसके नीचे दबकर दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी की मदद से दोनों को बाहर निकाला गया। घायलावस्था में स्वास्थ्य सेवा की एम्बुलेंस से सीएचसी लाया गया। यहां डाक्टर ने गंभीर देखते हुए दोनो को जिला रेफर कर दिया। करनैलगंज—परसपुर टूलेन मार्ग पर ट्रैक्टर सवार दो लोग पचई पुरवा में उसकी धुलाई कराकर परसपुर की तरफ आ रहे थे। इसी बीच भोंदू पुरवा के बीच ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रैक्टर रोटावेटर के नीचे दबने ग्राम आटा के लालपुरवा निवासी किशन सिंह व अक्कू को गम्भीर चोट आई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी से ट्रैक्टर के नीचे दबे दोनों लोगों को बाहर निकलवाया। अधीक्षक डॉ लवकेश शुक्ला ने बताया कि उपचार के बाद दोनों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

मंदिर आंदोलन के महानायक रामचंद्र परमहंस को पद्मश्री दे सरकार -डा. वेदांती

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या ।मां सरयू के संत तुलसीदास घाट स्थित श्री राम जन्मभूमि आंदोलन के पुरोधा प्रतिवाद भयंकर उपाधि से विभूषित श्री रामचंद्र दास परमहंस महाराज की समाधि पर अयोध्या के संतो महंतों ने 21वीं पुण्यतिथि के पूर्व संध्या पर समाधि का जीर्णोद्धार कराने वाले उनके शिष्य एवं श्री महंत रामचंद्र दास परमहंस सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष आचार्य नारायण मिश्रा के संयोजन में श्रद्धांजलि अर्पित की गई और श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए पूर्व सांसद ब्रह्मर्षि डॉ रामविलास दास वेदांती महाराज ने केंद्र सरकार से मांग किया कि राम मंदिर आंदोलन के महानायक तथा श्री राम जन्मभूमि न्यास के पूर्व अध्यक्ष दिगम्बर अखाड़े के पूर्व श्रीमहंत परमहंस महाराज को मरणोपरांत पदमश्री एवार्ड से सम्मानित करे। उन्होंने कहा कि साथ ही साथ गोरखनाथ पीठाधीश्वर पूर्व महंत अवैद्यनाथ महाराज तथा राम मंदिर आंदोलन के लिए अलख जगाने वाले विश्व हिन्दू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष स्व अशोक सिंघल को भी पद्मश्री सम्मान से नवाजा जाए। निहत्थे कारसेवकों पर गोली चलाने वाले मुलायम सिंह यादव को यह सम्मान दिया जा सकता है तो आंदोलन के असली हकदार को क्यों नहीं। राम मंदिर आंदोलन के असली हीरो को नजर अंदाज किया गया इसीलिए बीजेपी को कम सीट आई और अयोध्या हारने का कारण उन्हीं डीएम और एसएसपी को बताया। रसिक पीठाधीश्वर महंत जन्मेजय शरण ने कहा कि परमहंस महाराज के आंदोलन की देन है की श्री राम लला को हम लोग जन्म स्थान पर दर्शन कर रहे है। महेंद्र त्रिपाठी ने डॉ वेदांती को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष बनाने की मांग रखी। इन्हीं के साथ वशिष्ठ पीठाधीश्वर महंत राघवेश दास वेदांती, इकबाल अंसारी, बबलू खान वेद मंदिर के पुजारी गोवर्धन दास, करपात्री जी महाराज, पंडा समाज के अध्यक्ष राजेश महाराज, महंत रामानुज शरण सहित अनेकों विद्वानों ने भावांजलि प्रकट की संचालन करुण दास ने किया।संयोजक नारायण मिश्र ने सभा का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

भजन के साथ निरंतर संत सेवा गौ सेवा विद्यार्थी सेवा करते रहते थे गुरुदेव भगवान -स्वामी वासुदेवाचार्य

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। धर्मनगरी अयोध्या के रामानुजीय परंपरा की शीर्ष पीठ कोशलेश सदन के संस्थापक आचार्य स्वामी रामनारायणाचार्य महाराज को संतों ने श्रद्धापूर्वक याद किया। मौका था उनके 39 वें पुण्यतिथि महोत्सव का। इस अवसर पर मंगलवार को मंदिर प्रांगण में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें रामनगरी के विशिष्ट संत—महंत और धर्माचार्यों ने पूर्वाचार्य की प्रतिमा पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। संतों ने संस्थापक आचार्य के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश भी डाला। कोशलेश सदन के वर्तमान पीठाधीश्वर जगदगुरु स्वामी वासुदेवाचार्य विद्याभास्कर महाराज ने कहा कि उनके गुरुदेव अप्रतिम प्रतिभा के धनी संत थे। उनकी गणना सिद्ध संतों में होती रही है। उनका व्यक्तित्व बड़ा ही उदार था। रामनगरी के सभी संत—महंत उनका आदरपूर्वक सम्मान करते थे। अपने जीवनकाल में उन्होंने आश्रम का सर्वांगीण विकास किया। जीवन पर्यंत मठ के उत्तरोत्तर समृद्धि में लगे रहे। आज उन्हीं की देन है कि आश्रम अयोध्यानगरी के प्रमुखतम पीठों में से एक है। जहां गौ, संत, विद्यार्थी व आगंतुक सेवा सुचार रूप से चल रही है।

श्रद्धांजलि सभा के अवसर पर पधारे संतो महंतों एवं धर्माचार्यों का स्वागत सत्कार स्वामी वासुदेवाचार्य के साथ संत गोपाल मंडपम पीठाधीश्वर स्वामी कुरेशाचार्य महाराज ने किया। इस मौके लक्ष्मणकिलाधीश महंत मैथिलीरमण शरण, रसिक पीठाधीश्वर महंत जन्मेजय शरण, बड़ाभक्तमाल महंत अवधेश दास, हनुमत निवास महंत डॉ. मिथिलेश नंदिनी शरण, श्रीरामाश्रम महंत जयराम दास, महंत राजूदास, महंत रामकुमार दास, महंत हरिसिद्धि शरण, महंत शशिकांत दास, महंत कमलादास रामायणी, महंत रामनरेश शरण, महंत संतोष दास, महंत तुलसीदास, पार्षद पुजारी रमेश दास, प्रियेश दास आदि संत—महंत व भक्तगण उपस्थित रहे।

बिजली कटौती को लेकर कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता—गोण्डा। शहर व जिले में व्याप्त विभिन्न समस्याओं को लेकर मंगलवार को कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट में पहुंचकर बिजली कटौती के बावजूद मनमानी वसूली किए जाने पर विरोध जताकर नारेबाजी की। प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर किए गए आंदोलन में पदाधिकारियों ने बताया कि पूरे प्रदेश में बिजली की भारी कटौती व अन्य समस्याओं के चलते किसान, नौजवान, छात्रों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बाद में राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट विजय शर्मा को सौंपा। ज्ञापन के मुताबिक जिले में अघोषित बिजली कटौती जारी होने के बावजूद अवैध वसूली तत्काल बंद कराने, जर्जर खंभों व तारों को तत्काल बदल कर नया लगाने, विजिलेंस टीम के द्वारा मनमानी छापेमारी पर रोक लगाने की मांग की गई। इसके अलावा गुड्डूमल चौराहा दबे पुल दुरुस्त कराने, अंबेडकर चौराहे के निकट आधार कार्ड बनवाने में बच्चों व महिलाओं को सहूलियतें देने व लोकवाणी केंद्र या प्राइवेट कंपनी से कराने व नगर पालिका गोण्डा में गड्ढ़ियों की जांच कराने और सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग है। ज्ञापन देने में अजय कुमार रस्तोगी, पूर्व शहर अध्यक्ष अब्दुल रहमान, प्रदुम्न शुक्ला, बेबी मिश्रा, मुजीब मास्टर, संत प्रकाश मिश्रा एडवोकेट, राजेश वर्मा एडवोकेट, संजीव वर्मा एडवोकेट, शिव प्रसाद, बाबू हुसैन उबैदुर्रहमान सिंपु, हरि श्याम सोनी, इरशाद हुसैन, शहजादे मेवाती, हरिराम वर्मा आदि रहे।

तालाब में गिरी बाइक, एक की मौत, ई रिक्शा पलटा चालक ने तोड़ा दम

संवाददाता—श्रावस्ती। हरिहरपुररानी संवाददाता तीन अलग अलग दुर्घटनाओं में तीन लोगों ने दम तोड़ दिया। जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जबकि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। कोतवाली भिनगा के गौड़ा निवासी जाबिर 28 पुत्र मोटे और सलमान 20 पुत्र तलह उर्फ बसीर अली सोमवार को बाइक से भंगहा मोड़ गए थे। देर शाम दोनों एक बाइक से घर लौट रहे थे। रेवलिया और मजगवां के पास तेज गति से जा रही बाइक अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे बने तालाब में चले गए। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही लोगों ने डायल 112 पुलिस को सूचित किया। इस पर पीआरवी जवानों ने ग्रामीणों के साथ तालाब में घुस कर जाबिर को बाइक सहित बाहर निकाला। जाबिर को पुलिस ने जिला अस्पताल भिनगा भेज दिया। लेकिन सलमान का पता नहीं चल सका। मंगलवार सुबह पुलिस ने लोगों की मदद से फिर से तलाश कराई तो सलमान का शव तालाब से बरामद किया। इस पर पंचनामा के बाद पीएम के लिए भेज दिया।

दूसरी घटना में सोनवा थाने के बाबूपुरवा निवासी चंदर पुत्र सत्तन उम्र करीब 35 वर्ष सोमवार को अपने ई रिक्शे की सर्विसिंग कराने के लिए लक्ष्मननगर गया था। देर शाम वह वापस घर के लिए निकला लेकिन घर नहीं पहुंचा। मंगलवार सुबह सोनवा थाना क्षेत्र के भिनगा बहराइच फोरलेन पर दिकोली मोड़ के आगे मनोहर लाल जवाहर लाल इंटर कालेज मोहरनिया के सामने रहस मिल के बगल में एक ई रिक्शा पलटा देखा गया। जिसकी सूचना लोगों ने थाना सोनवा को दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर देखा तो उसके नीचे शव दबा पड़ा था। पुलिस ने शव को बाहर निकाला और उसकी पहचान कराई तो चंदर के रूप में पहचान हुई। मृतक के भाई भाई उदय राज पुत्र सत्तन ने थाना सोनवा में तहरीर देकर मौत के कारण का पता लगाने की मांग की।

इस पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नशे के सौदागर को तीन वर्ष की सजा

संवाददाता—गोण्डा। अपर सत्र न्यायाधीश सूर्य प्रकाश सिंह ने नशे के सौदागर को तीन वर्ष की कैद व अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की अदायगी न करने पर तीन माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। विशेष लोक अभियोजक अनुपम शुक्ला के अनुसार थाना छपिया अंतर्गत ग्राम मल्हीपुर नासिर पुत्र अजीज के विरुद्ध थानाध्यक्ष द्वारा इस आशय की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके मुताबिक गश्त के दौरान उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति आता दिखाई दिया, संदिग्ध प्रतीत होने पर उसे पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक किलो तीन सौ ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मद्य निषेध अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर प्रकरण की विवेचना करने के बाद आरोप पत्र अदालत पर भेज दिया। अदालत ने अभियोजन व बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलों को सुना तथा पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों का गहन अवलोकन करने के पश्चात आरोपी को दोषी करार देते हुए तीन वर्ष की कैद व पचीस हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की अदायगी न करने पर तीन माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

गांव में घुसे चोर को ग्रामीणों ने पीट—पीटकर मार डाला

संवाददाता—बहराइच। बहराइच के देहात कोतवाली क्षेत्र के हरिहरपुर रैकवारी गांव में सोमवार देर रात को लगभग छह की संख्या में चोर पहुंच गए। चोरों की आहट पाकर ग्रामीण जाग गए और उन्हें पकड़ने की कोशिश की। जिसमें से एक चोर ग्रामीणों की पकड़ में आ गया। ग्रामीणों की पिटाई से उसकी मौत हो गई। चोर की मौत की सूचना पर पुलिस के उच्च अधिकारी भी जांच पड़ताल के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए।

हरिहरपुर रैकवारी के मजरा डाकपुरवा गांव में सोमवार देर रात को आधा दर्जन से अधिक की संख्या में चोर गांव निवासी राजेश सिंह के घर में घुस गए। यहां चोरी के करने के बाद मुन्ना सिंह के घर में घुसे। इसी दौरान महिला आहट पाकर जाग गई और शोर मचाया तो गांव के लोग जाग गए जिससे सभी चोर भागने लगे। इसी दौरान ग्रामीणों ने एक चोर को पकड़ लिया और पिटाई कर दी। कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। गांव के लोगों ने बताया कि मौत से पहले उसने अपना नाम बाराबंकी जिला निवासी सिराज बताया था। कुछ लोगों का कहना है कि चोर की मौत हार्ट अटैक से हुई है। पुलिस ने गांव पहुंच कर शव को कब्जे में ले लिया है। पोस्टमार्टम की कार्यवाही की जा रही है।

घटना की जानकारी होने पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानंद कुशवाहा, कोतवाली देहात के प्रभारी निरीक्षक बीके मिश्रा पुलिस बल के साथ पहुंचे हैं। ग्रामीणों का बयान दर्ज किया जा रहा है। एएसपी सिटी रामानंद कुशवाहा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

तस्करी की पीली धातु की मूर्ति के साथ एक दबोचा गया

संवाददाता—महराजगंज। इंडो—नेपाल सीमा दूठीबारी में तैनात एसएसबी की टीम को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। क्षेत्र के राजाबारी गांव के नो मेंस लैंड के समीप पेट्रोलिंग के दौरान एसएसबी की टीम ने एक बाइक सवार के कब्जे से शिव परिवार, लड्डू गोपाल, राधा—कृष्ण की तमाम छोटी—छोटी मूर्तियां बरामद की हैं। ये मूर्तियां पीली धातु की बनी हैं और इनका वजन 62.50 किलोग्राम बताया जा रहा है। एसएसबी टीम ने इन मूर्तियों व बाइक सहित पकड़े गए युवक को दूठीबारी कस्टम के हवाले कर दिया है।

एसएसबी की टीम सीमा पर पेट्रोलिंग कर रही थी कि महराजगंज के नंबर की एचएफ डीलक्स बाइक से एक युवक नेपाल की ओर जाता दिखा। एसएसबी जवानों ने बाइक सवार को रोककर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से शिव परिवार, लड्डू गोपाल, राधा—कृष्णा की पीली धातु का छोटी—छोटी मूर्तियां बरामद हुई है। पकड़े गए आरोपित युवक की पहचान अजय पटेल निवासी मिठौरा—महराजगंज के रूप में हुई है। आगामी त्योहारों में इन मूर्तियों को भारतीय सीमा क्षेत्र से अवैध तस्करी कर नेपाल के विभिन्न शहरों में महंगे दामों में बेचने की योजना थी। एसएसबी बीओपी इंचार्ज इंस्पेक्टर शिव पूजन ने बताया कि राजाबारी गांव के नो मेंस लैंड के समीप से पीली धातु की मूर्तियों के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। इन मूर्तियों को वह नेपाल ले जाने की कोशिश में था। बताया कि अगली कार्रवाई के लिए मूर्तियों व बाइक सहित आरोपी को दूठीबारी कस्टम के हवाले कर दिया गया है।

बिना टेंडर नहर की खोदाई ठेकेदारों ने रुकवाई

संवाददाता—गोण्डा। सिंचाई विभाग की तरफ से बिना टेंडर कराए ही खुदाई का कार्य शुरू कर दिए जाने की बात लेकर बवाल खड़ा हो गया। दर्जनों ठेकेदार एकत्रित होकर मौके पर पहुंच गए और उन्होंने कार्य का विरोध करते हुए बंद कर दिया। इसके बाद वहीं से फोन करके अधिशासी अभियंता से पूछा कि जो कार्य हो रहा है उसका टेंडर कराया गया है या नहीं। यदि टेंडर हुआ है, तो एतराज नहीं है। पूरा दिन इसको लेकर गहमागहमी का माहौल बना रहा। मामला सरयू नहर खंड चार का है। इसके अंतर्गत रूद्रपुर बिसेन माइनर के पास बिना टेंडर कराए खुदाई का कार्य चुपके से कराया जा रहा था। जिसकी जानकारी सिंचाई विभाग के ठेकेदारों को हुई । ठेकेदारों ने इसकी सूचना विभागीय उच्च अधिकारियों को देते हुए मौके पर पहुंचकर कार्य को रुकवा दिया। इसके बाद भी सरयू नहर खंड चार के अधिशासी अभियंता से फोन पर इस संबंध में बातचीत भी की। हालांकि पूरा दिन यह मामला सिंचाई विभाग में चर्चा का विषय बना रहा । ठेकेदारों ने एक पत्र शासन को भेज कर इसकी जांच कराने की मांग की है ताकि यह पता लग सके कि सही मामला क्या था।

24 घंटे में छह बार दगी केबिल, फीडर बंद

संवाददाता—गोण्डा। ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे निर्बाध बिजली सप्लाई को लेकर सरकार लाख दावा भले ही कर रही हो लेकिन धरातल पर केवल पांच छह घंटे की सप्लाई लोगों को मिल रही है। बिजली उपकेंद्र इटियाथोक से जुड़े सभी फीडरों को जर्जर केबिलों के सहारे चलाया जा रहा है। सप्लाई जैसे शुरू होती है कुछ समय बाद केबिल गर्म होकर जगह—जगह जलकर टूट कर गिर जाती है। ऐसी स्थिति में सभी फीडर को बंद कर दिया जाता है। भीषण गर्मी में करीब 23 हजार की आबादी परेशान रही। हाल ही में पावर कार्पोरेशन ने शेड्यूल जारी करके ग्रामीण क्षेत्र में 18 घंटे बिजली सप्लाई देने का निर्देश दिया था। इसके बाद भी क्षेत्र में बिजली सप्लाई की स्थिति सुधरने का नाम नहीं ले रही है। पुराने लाइनों पर खींची केबिल हर बार गर्म होकर जलने लगती है। विद्युत उपकेंद्र इटियाथोक से जुड़े कई फीडरों पर नई केबिल बिछाने का काम चल रहा है। स्टेशन रोड पर भी बिजली खंभों पर नई केबिल विभाग लगवा रहा है। बताया जा रहा है कि नई केबिल डाल रहे कर्मचारियों ने स्टेशन रोड पर रखे 400 केवीए ट्रांसफार्मर में पुराने और नई केबिल के न्यूट्रल और फेज की लाइन को गलत जोड़ दिया। सोमवार की रात जब स्टेशन रोड के फीडर की सप्लाई शुरू हुई तो केबिल में आग लग गई। केबिल में आग लगने से आसपास के रहने वाले लोग घरों से बाहर आ गए। आनन फानन में सप्लाई को काटा गया। यही स्थिति कमोबेश सभी फीडरों की है। स्टेशन रोड पर रखे 400 केवीए ट्रांसफार्मर से लोड को कम करने के लिए हाल ही में बिजली विभाग ने 100 केवीए का नया ट्रांसफार्मर रखकर उसमे छोबहा ताल से रेलवे क्रासिंग तक लोड को जोड़ दिया ताकि पुराने ट्रांसफार्मर से लोड कम हो जाए। लेकिन केबिल का बार बार दगने से सप्लाई सभी फीडरो की बंद हो जाती है।

इंटरलॉकिंग सड़क की जांच करने पहुंचे लोकपाल

संवाददाता—महराजगंज। निचलौल ब्लॉक क्षेत्र के सेमरहना गांव में बने इंटरलॉकिंग सड़क की जांच करने लोकपाल पहुंचे। इस दौरान खंड विकास अधिकारी समेत कई जिम्मेदार भी मौजूद रहे। जांच के दौरान जिम्मेदारों में काफी देर तक अफरा—तफरी का माहौल बना रहा।

लोकपाल रविंद्र कुमार पाल ने कहा की गांव में बने इंटरलॉकिंग सड़क में धांधली की शिकायत की गई थी। इस मामले में उच्चाधिकारियों के निर्देश पर वह गांव पहुंच इंटरलॉकिंग सड़क की कई बिंदुओं पर जांच पड़ताल की। इस दौरान काम करने वाले कुछ मजदूरों से भी पूछताछ की है। जांच के बाद रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेज दी जाएगी। वहीं इंटरलॉकिंग सड़क की शिकायत करने वाली पीड़िता पूनम गुप्ता ने कहा की जिम्मेदारों के दबाव में गांव पर इंटरलॉकिंग सड़क की जांच करने पहुंची टीम उन्हे कोई सूचना नहीं दी। बगैर उनकी मौजूदगी में जांच कर ली गई है।

एचआईवी व टिटनेस बांट रहे कूड़े के ढेर में पड़े बायो मेडिकल वेस्ट

संवाददाता—बहराइच। गंभीर बीमारियों के बेहतर इलाज का सब्जबाग दिखाने वाले निजी अस्पताल ही रेवड़ियों की तरह बीमारियां बांट रहे हैं। यह सुनकर अटपटा जरूर लगेगा, लेकिन यह सौ फीसद सच है। शहर की सड़कों के किनारे डंप कूड़ों में पड़े बायो मेडिकल वेस्ट की जद में आने से टिटनेस, निमोनिया ही नहीं लाइलाज एचआईवी से भी लोग ग्रसित हो रहे हैं। खुलेआम निजी नर्सिंगहोम,पैथालोजी सेंटर संचालक लोगों की जिंदगी से खेल रहे हैं। सीएमओ की ओर से नोटिस पर नोटिस दी जा रही है, लेकिन इसको भी संज्ञान नहीं ले रहे हैं। शहरी क्षेत्र में निजी अस्पताल से निकलने वाले बायो मेडिकल कचरा शहरवासियों को सेहत बिगाड़ रहा है। निजी अस्पतालों में बायो वेस्ट मैनेजमेंट (संक्रमित कचरा प्रबंधन) को लेकर गंभीरता नहीं बरती जा रही है। कचरे को नाले में दैनिक कूड़ों के ढेर में डाला जा रहा है। सड़क पर जगह—जगह मेडिकल कचरे बिखरे पड़े हैं। दरअसल शहर में 600 से अधिक निजी क्लीनिक व अस्पताल संग लैब संचालित हो रहे हैं। यहां बायो वेस्ट निस्तारण को लेकर कोई प्रबंध नहीं है। जबकि बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट अधिनियम 2016 में मेडिकल वेस्ट के निस्तारण का प्रावधान है। इसके तहत अस्पताल व नर्सिंग होम से बायो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण के लिए प्रोसेसिंग प्लांट को कचरा देना है। निजी अस्पताल व लैब राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आदेश का उल्लंघन कर कचरा जहां—तहां फेंक रहे हैं। इस पर लगाम लगाने लोग आपत्ति जता रहे हैं। यहां तक नगर पालिका प्रशासन की ओर से सीएमओ के साथ बैठक भी निजी संचालकों की कराई गई, लेकिन इनकी शगल में किसी प्रकार का कोई बदलाव नहीं आया है। निजी संचालकों की बेअंदाजी न केवल बेजुबानों की जान पर भारी पड़ रही है, वरन पर्यावरण संग गंभीर बीमारियां भी बांट रही हैं। जैविक संक्रमण से बचाने के लिए वन एवं पर्यावरण मंत्रालय बायो मेडिकल वेस्ट नियम लागू कर गंभीरता से पालन कराने का प्रयास कर रहा है।

आर्किटेक्चर के छात्र की गोली मार हत्या, चाचा को पीटकर हाथ तोड़ा

संवाददाता—गोरखपुर। सिकरीगंज थाना क्षेत्र के अहिरौली खुर्द गांव में सोमवार की शाम दबंगों ने रंजिश में चाचा को पीटकर उनका हाथ तोड़ दिया। सूचना पर चाचा को देखने पहुंचे भतीजे आदेश (24) को भी दबंगों ने लाठी—डंडे से बुरी तरह पीटा फिर गोली मारकर घर के सामने फेंक गए। जिला अस्पताल में मौत की पुष्टि के बाद परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया। आदेश गोरखपुर के एक कॉलेज से आर्किटेक्चर की पढ़ाईकर रहा था। वह तारामंडल क्षेत्र में कमरा किराए पर लेकर रहता था। उधर, हत्या के बाद गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस फोर्स तैनात है। आरोपी घर से फरार हो गए हैं। घर पर सिर्फ महिलाएं ही हैं। सिकरीगंज के अहिरौली खुर्द गांव में आदेश चौधरी की हत्या के पीछे पुलिस की नाकामी भी कम जिम्मेदार नहीं है। सोमवार की शाम में आरोपियों ने पुरानी रंजिश को लेकर आदेश के चाचा विनोद चौधरी पर पहले जानलेवा हमला किया। हाथ पर गंभीर घाव लगने के बाद वह फरियाद लेकर थाने पर गए तो किसी ने उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया। एक दरोगा उनकी बात सुनी भी तो दूसरे दिन प्रार्थना पत्र लेकर आने को कहते हुए टरका दिया। थोड़ी ही देर बाद विनोद के भतीजे आदेश चौधरी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जानकारी के मुताबिक, दीपू चौधरी मुंबई में रहकर सिलाई का काम करता है। उसके घर के पीछे ही एक पोखरा है जिसे लेकर लंबे समय से बृजेश त्रिपाठी के परिवार से विवाद चल रहा है। गर्मी के समय में पोखरा सूख जाता है और गांव के बच्चे उसमें खेलते हैं। बताया जा रहा है कि चार वर्ष पहले बृजेश और दीपू दोनों ही परिवार के बच्चे उसी सूखे हुए तालाब में खेल रहे थे। इस दौरान बच्चों के बीच में विवाद हो गया। तब मौजूद बड़े बुजुर्गों ने दोनों पक्ष के बच्चों को डांटते हुए भगा दिया। बाद में इसे लेकर दोनों परिवारों में विवाद हो गया था। तभी से दोनों परिवारों में रंजिश गहरी हो गई।

इस बीच आदेश आर्किटेक्ट की पढ़ाई करने के लिए गोरखपुर शहर चला आया और तारामंडल में किराया का मकान लेकर रहने लगा। वह गांव पर ही कम ही जाता था। लेकिन सोमवार को उसके पिता दीपू मुंबई से गांव आए थे। इसी बीच चाचा की पिटाई की खबर पाकर वह गांव गया था और हत्या हो गई। थाने की पुलिस पर गांव वालों का गुस्सा इसी बात को लेकर ज्यादा है कि अगर पुलिस ने विनोद की फरियाद सुनकर गांव में आरोपियों की तलाश और कार्रवाई की होती तो फिर उनकी हिम्मत इतनी तो नहीं हो पाती कि वह आदेश की गोली मारकर हत्या कर देते। फिलहाल, गांव में फोर्स तैनात कर मामले को शांत करने की कोशिश की जा रही है। तीन भाइयों में आदेश सबसे बड़ा था। छोटा भाई अभिषेक चौधरी (20) और विवेक चौधरी (18) गांव पर ही रहकर पढ़ाई करते हैं। घटना के समय दोनों भाई अपने घर पर ही मौजूद थे।

गोरखपुर सिकरीगंज थाना क्षेत्र के अहिरौली खुर्द गांव के दीपू चौधरी मुंबई में रहते हैं। उनकी गांव में पड़ोस में रहने वाले बृजेश त्रिपाठी से रंजिश है। चार साल पहले दोनों परिवार के बच्चों में विवाद के बाद से रंजिश चल रही है। दीपू मुंबई से सोमवार को अपने गांव पहुंचे थे। उनके आने की खुशी में भाई विनोद चौधरी बारीपुर बाजार से सामान लेने के लिए गए थे। सोमवार शाम में छह बजे के करीब आरोपी बृजेश ने अपने परिजन व अन्य साथियों के साथ में विनोद को घेर लिया और लाठी—डंडे से जमकर पीटा जिससे विनोद का हाथ टूट गया। इलाज कराने कराने के बाद वह थाने फरियाद लेकर पहुंचे। इधर घटना की जानकारी होने के बाद उनका भतीजा आदेश चौधरी तारामंडल से गांव के लिए निकल लिया। रात में 8:30 बजे चाचा से मिलने के बाद वह बगल में संतोष तिवारी के घर कीर्तन में शामिल होने चला गया। यहीं, पर आरोपी भी पहुंच और आदेश के हाथ और पैर में गोली मार दी। फिर लाठी डंडे से पिटाई कर घर के पास ले जाकर फेंक दिया। हाथ—पैर में दो गोली लगने की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को जानकारी देने के साथ ही घायल आदेश को लेकर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। जहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में पहुंचने के बाद आदेश की मौत हो गई। गांव वालों का कहना है कि आरोपी बृजेश अपराधी किस्म का है और उस पर थाने पर कई मुकदमे दर्ज हैं। अपने बहनोई की हत्या में भी वह आरोपी बना था, हालांकि पुलिस ने अपनी इसकी पुष्टि नहीं की है।

नागपंचमी पर गोरखनाथ मंदिर में होगी दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता,सीएम रहेंगे मौजूद

संवाददाता—गोरखपुर। कुश्ती संघ की तरफ से इस प्रदेश स्तरीय सीनियर प्राइजमनी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता में विजेता पहलवानों में लाखों रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की जाएगी। इस बार प्रतियोगिता में विश्व स्तरीय पहलवानों समेत 300 से अधिक पहलवान प्रतिभाग करेंगे। दो दिवसीय (8 व 9 अगस्त 2024) कुश्ती प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में उत्साहवर्धन तथा विजेताओं को पुरस्कृत करने के लिए मुख्यमंत्री 9 अगस्त को खुद मौजूद रहेंगे। नागपंचमी के पावन पर्व पर गोरखनाथ मंदिर के मेला परिसर में आयोजित होने वाली कुश्ती प्रतियोगिता की परंपरा और समृद्ध होगी। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप इस प्रतियोगिता का स्वरूप गत वर्ष से प्रदेश स्तरीय कर दिया गया है।

कुश्ती संघ की तरफ से इस प्रदेश स्तरीय सीनियर प्राइजमनी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता में विजेता पहलवानों में लाखों रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की जाएगी। इस बार प्रतियोगिता में विश्व स्तरीय पहलवानों समेत 300 से अधिक पहलवान प्रतिभाग करेंगे। दो दिवसीय (8 व 9 अगस्त 2024) कुश्ती प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में उत्साहवर्धन तथा विजेताओं को पुरस्कृत करने के लिए मुख्यमंत्री 9 अगस्त को खुद मौजूद रहेंगे। यह जानकारी मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष एवं अंतरराष्ट्रीय पहलवान दिनेश सिंह ने दी। उन्होंने कहा कि नागपंचमी पर्व पर देशज खेलों की प्राचीन परंपरा रही है। गोरखनाथ मंदिर का भी इस परंपरा से गहरा जुड़ाव है। मंदिर में हर वर्ष इस पर्व पर कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन होता है। कुश्ती को बढ़ावा देने के लिए गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बीते कुछ साल से प्रतियोगिता का स्वरूप विराट कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश स्तरीय सीनियर प्राइजमनी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश केसरी, उत्तर प्रदेश कुमार व वीर अभिमन्यु तीन वर्गों में होगी। इसमें प्रदेश के विभिन्न मंडलों, कुश्ती छात्रावासों, स्पोर्ट्स कॉलेजों समेत गाजियाबाद, नोएडा, बनारस आदि जिलों व वके पहलवान भाग लेंगे। उत्तर प्रदेश केसरी के विजेता को पुरस्कार के रूप में 1.01 लाख रुपये नकद व गदा तथा उप विजेता को 51 हजार रुपये प्राप्त होंगे। उत्तर प्रदेश कुमार वर्ग में विजेता को 51 हजार रुपये नकद व गदा और उप विजेता को 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी। जबकि वीर अभिमन्यु का खिताब जीतने वाले को 51 हजार रुपये नकद व गदा तथा उप विजेता को 25 हजार रुपये का पुरस्कार प्राप्त होगा। श्री सिंह ने बताया कि कुश्ती प्रतियोगिता का उद्घाटन 8 अगस्त 2024 को दोपहर 12रू30 बजे से होगा जबकि समापन व पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम 9 अगस्त 2024 को दोपहर बाद 3 बजे होगा। समापन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बतौर मुख्य अतिथि खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन व पुरस्कार वितरण के लिए उपस्थित रहेंगे। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी आले हैदर, जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष अरुणेश शाही और कुश्ती प्रशिक्षक चन्द्रविजय सिंह आदि भी उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत नरायनपुर
विकास खण्ड बहादुरपुर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024—25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज—2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई—रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 07.08.2024 से 15.08.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 16.08.2024 सायं 1:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः— निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान—सुशीला
ग्राम पंचायत-नरायनपुर
विकास खण्ड-बहादुरपुर, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.—सर्वेश यादव
ग्राम पंचायत-नरायनपुर
विकास खण्ड-बहादुरपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /06.08.2024 वित्तीय वर्ष 2024—25

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नं0मु0— 5172/2024
धारा 144 उ0प्र0रा0सं02006
अदालत— श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) हर्रैया जिला—बस्ती
देवानंद
बनाम
पटेश्वरी आदि

1. पटेश्वरी 2. जगदीश 3. कमलेश 4. अवधेश पुत्रगण अनिरूद्ध साकिन वीरपुर परगना बभनीपारा तहसील मनकापुर जनपद—गोण्डा 5. राजकुमार पुत्र बृजनंदन 6. ओमशंकर 7. प्रेमशंकर पुत्रगण रमेशर8. गीता देवी पत्नी विजयशंकर 9. कुनाल पुत्र विजयशंकर 10. राजपति पत्नी राजाराम 11. पारसनाथ पुत्र रामतेज 12. शंकरशरण पुत्र देवमणि साकिन वीरपुर परगना बभनीपारा तहसील मनकापुर जनपद—गोण्डा 13. कृष्णधर 14. बब्बनधर पुत्रगण हरीराम 15. सुशील 16. सतीश पुत्रगण शंकर 17. कु0 शशि पुत्री रामशंकर 18. सरोज देवी पत्नी रामशंकर 19. शेषराज पुत्र बचऊ 20. प्रदीप कुमार पुत्र बचऊ 21. जमुना प्रसाद 22. अजोरे पुत्रगण भगौती 23. राम उजागिर पुत्र काजू 24. अछैबर पुत्र भीखा साकिनान मौजा नगर बहेरा तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती

तारीख पेशी 07—08—2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 07 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अकबरपुर रेलवे स्टेशन पर मिली चार दिन से लापता स्नातक की छात्रा

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। बीते शनिवार को मालीपुर थाना क्षेत्र की लापता छात्रा अकबरपुर रेलवे स्टेशन पर मिली। छात्रा के अनुसार स्कूल जाते समय उसका अपहरण हुआ था। आरपीएफ ने आगे की कार्रवाई कर मालीपुर पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। मंगलवार को रेलवे सुरक्षा बल अकबरपुर के प्रभारी निरीक्षक जीएस गौतम हमराहियों के साथ स्टेशन की गस्त पर रहे थे। इस दौरान प्लेटफार्म नंबर एक पर एक लडकी रोते हुए मिली। कारण पूछा गया तो उसने अपना नाम अन्तिमा और ग्राम अवधना इस्माईलपुर थाना मालीपुर का निवासी बताया। कहा कि तीन अगस्त को घर से अपना बीए द्वितीय वर्ष का एडमिशन कराने के लिये वीरेन्द्र प्रताप स्मारक पोस्ट ग्रेजुएट कालेज कुंडा भैरवपुर जिला सुल्तानपुर के लिये एक ई— रिक्शा से जा रही थी। स्कूल से पहले नेमपुर घाट के पास ई रिक्शा पहुंचा तो अचानक एक बोलेरो में आए तीन लोग ई रिक्शा रोक लिए और मुझे पकड़कर रूमाल से मेरे मुंह पर रखकर कुछ सुंघा दिये। उसके बाद मुझे नहीं मालूम कि क्या हुआ ८ जब मुझे आज मंगलवार को होश आया तो मैंने खुद को गोसाईंगंज रेलवे स्टेशन पर पाया। वहां से एक गाड़ी में बैठकर अकबरपुर रेलवे स्टेशन पर आई। आरपीएफ ने अन्तिमा के बताये नंबर पर उसके भाई प्रमोद, बहन साधना व जीजा मनीष के मोबाईल पर सूचना दी। सभी को अकबरपुर आरपीएफ पोस्ट पर बुलाकर अन्तिमा को उनके सुपुर्द कर किया। अन्तिमा के परिजनों के अनुसार उसकी गुमशुदगी की सूचना थाना मालीपुर में दर्ज है। इसके चलते अन्तिमा को परिजनों के साथ थाना मालीपुर भेजा गया। आगे की कार्रवाई मालीपुर पुलिस कर रही है।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या— 16/2020
1. बनवारी उम्र करीब 75 वर्ष पुत्र नन्हकू साकिन मंझरिया तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर
प्रार्थी/प्रार्थीगण
बनाम
इस्टेट
प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 06—09—2024

अपने चचेरा भाई मृतक दशरथ पुत्र भुलई को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 09 के 06 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

2024 के 08 के 03 दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या— 54/2023
1. आकाश तिवारी वालिग पुत्र तुलसीराम 2. अर्चना उर्फ राजकली पुत्री तुलसीराम नावालिगान जरिये संरक्षक भाई आकाश तिवारी साकिनान मौजा महदेवा तिवारी तप्पा नादेपार परगना वो तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर
प्रार्थी/प्रार्थीगण
बनाम
इस्टेट
प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 09—08—2024

अपने मृतक को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 08 के 09 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 02/2023
अदालत—श्रीमान प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय संतकबीरनगर
प्रमिला देवी
बनाम
श्रीराम
1. श्रीराम पुत्र धनबक्स 2. प्रभावती पत्नी श्रीराम सभी निवासी ग्राम महेसरपुर तप्पा मुरादपुर परगना महुली पूरव तहसील धनघटा जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 29—08—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 25 माह 07 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 142/2023
अदालत—श्रीमान प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय संतकबीरनगर
सुनील कुमार
बनाम
चन्दा देवी
1. चन्दा देवी पुत्री मुन्नी लाल साकिन पचगडहिया तप्पा उजियार परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 07—10—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 07 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 18 माह 07 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

हनुमानगढ़ी और रामलला के चरणों में सीएम योगी ने झुकाया शीश, भाजपा नेताओं ने किया स्वागत

संवाददाता—अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को अयोध्या के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। यहां महापौर, विधायक समेत जनप्रतिनिधियों व भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री मंगलवार शाम रामकथा पार्क पहुंचे। यहां से मुख्यमंत्री सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां संकटमोचन हनुमान के चरणों में हाजिरी लगाई। यहां मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न भी भेंट किया गया। सीएम ने यहां दर्शन—पूजन के उपरांत अयोध्यावासियों व श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री श्रीराम जन्मभूमि पहुंचे और श्रीरामलला के चरणों में शीश झुकाया। मुख्यमंत्री ने यहां भी विधिवत दर्शन—पूजन किया। मुख्यमंत्री ने श्री राम जन्मभूमि में चल रहे निर्माण कार्यों की भी जानकारी ली। इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकसभा चुनाव के दौरान अयोध्या पहुंचे थे। सीएम ने उस दौरान भी श्रीराम व संकटमोचन हनुमान के चरणों में हाजिरी लगाई थी। लोकसभा चुनाव के उपरांत मुख्यमंत्री मंगलवार को श्रीरामनगरी पहुंचे। दर्शन—पूजन के दौरान प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेदप्रकाश गुप्त, अमित सिंह चौहान, रामचंद्र यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय आदि मौजूद रहे।

घोषणा

न्यायालय—एफ0टी0सी0/सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर जिला—सिद्धार्थनगर
मूलवाद सं0—118/2023
भोला
बनाम
लापता बृजेश

ग्राम सोहना तप्पा बैनिया परगना रसूलपुर तहसील इटवा जिला—सिद्धार्थ नगर /वो अन्य ने लापता बृजेश पुत्र भोला 2. स्टेट उ0प्र0 द्वारा जिलाधिकारी महोदय सिद्धार्थनगर 3. नीलम पुत्री बृजेश 4. बन्धना पुत्री बृजेश निवासी ग्राम ग्राम सोहना तप्पा बैनिया परगना रसूलपुर तहसील इटवा जिला—सिद्धार्थ नगर के सम्बन्ध मे सिविल डेथ उद्घोषणा का वाद संस्थित किया है। यदि उक्त व्यक्ति के बाबत कोई हितबद्ध व्यक्ति हो तो उक्त वाद में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक—**05—09—2024** को 10.00 बजे सुनवाई के समय आपत्ति प्रस्तुत करें।

अतः यह उदघोषणा निकाली जा रही है कि उक्त उद्घोषणा वाद में बृजेश पुत्र भोला सोहना तप्पा बैनिया परगना रसूलपुर तहसील इटवा जिला—सिद्धार्थ नगर का सिविल डेथ घोषित कर दिया जायेगा।

आज सन् 2024 के मास के दिवस 24 को दिनांकित

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 291/2023
अदालत—श्रीमान प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय संतकबीरनगर
संगीता
बनाम
प्रदीप कुमार
1. प्रदीप कुमार पुत्र स्व0 सूर्यनरायन ग्राम समन्था पो0 कैथवलिया तप्पा घोसियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील मेंहदावल जनपद संतकबीर नगर

तारीख पेशी 04—09—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 04 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 25 माह 07 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
वाद संख्या 139/2022
न्यायालय— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0)/ नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर
शहसन आदि
बनाम
सहीदुन्निशा आदि
सरकार उ0प्र0 द्वारा जिलाधिकारी नौगढ़ सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 22—08—2024

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **22—08—2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 06.08. 2024 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com